राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,
उदयपुर

वार्षिकी

वार्षिक प्रतिवेदन
सत्र 83-84

-544
370.6
RAJ-V

प्रकाशन अनुभाग, रा. रा. शै. अ. प्र. सं., उदयपुर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान

उ द य पु र

" वा र्षि की "

वा र्षि क प्र ति वे द न

(सत्र - 83 -- 84)

NIEPA DC
D01465

प्रकाशन अनुभाग

रा०रा०शै०अ० प्र० सं०, उदयपुर

-544
370.6
RAJ-Y

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Aministration
17-B.Sri Aurbindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 1465
Date 31/8/84

प्रा क थ न

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर, राज्य स्तर पर शिक्षा के सार्वजनीनीकरण के लक्ष्यों की सम्प्राप्ति की दिशा में संख्यात्मक उपलब्धि के प्रति सजगता के साथ ही शिक्षा में गुणात्मक उन्नयन की दृष्टि से भी अनवरत रूप से जागरूक व सचेष्ट रहकर अपने दायित्व का वहन कर रहा है ।

संस्थान अपने विभिन्न प्रभागों के माध्यम से प्रतिवर्ष प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षा के प्रचार व प्रसार की दृष्टि से औपचारिक व अनौपचारिक दोनों तरह के पाठ्यक्रमों के निर्माण व निर्धारण, मूल्यांकन, सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण, नवाचारों के समन्वयन एवं यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु योजनाबद्ध रूप से शैक्षिक कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है ।

मूल में इस सफलता का श्रेय संस्थान में कार्यरत सभी प्रभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं शिक्षा कर्मियों को है, जो संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु सदैव अपनी निष्ठा व तत्परता का परिचय देकर शिक्षा के गुणात्मक उन्नयन में सहायक रहे हैं ।

संक्षेप में सन् 1983-84 में संस्थान की मुख्य उपलब्धियाँ निम्नांकित हैं :-

1. संस्थान के विभिन्न प्रभागों के अन्तर्गत कुल 50 प्रशिक्षण कार्य-गोष्ठियों में 1424 शिक्षक सभागी लाभान्वित हुए, जिसका

विस्तृत विवरण प्रतिवेदन में द्रष्टव्य है ।

2. पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तक प्रश्न पत्र विश्लेषण एवं समीक्षा और पाठ्य सामग्री के विकास की दृष्टि से संस्थान द्वारा कुल 53 कार्य गोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिसमें 620 विषय विशेषज्ञों ने भाग लेकर इस कार्य को गति प्रदान की । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर पर विभिन्न विषयों की 10 नवीन पाठ्य पुस्तकें तैयार कर राज्य सरकार को प्रेषित कर दी गई है । साथ ही कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया में उल्लेखनीय प्रगति हुई । इसके अनन्तर संस्थान द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के लिए स्वतंत्रता संग्राम से सम्बद्ध पाठ्यक्रम भी राज्य सरकार से अनुमोदित कराया गया ।

3. राज्य स्तर पर विभिन्न विषयों के लिए कुल 179 सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिनसे कुल 8527 शिक्षक लाभान्वित हुए । इसके अलावा राज्य के विभिन्न जिलों में क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों द्वारा आयोज्य अल्पावधि सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों में 3638 शिक्षकों के अभिमवन में संस्थान का सहयोग रहा ।

4. वर्ष 1983 में संस्थान द्वारा आयोज्य राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा मार्गदर्शन शिविर की एक उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि कुल 747 राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों में से 110 छात्रवृत्तियां राजस्थान ने अर्जित की । सत्र 1983-84 में संस्थान ने डिविजन स्तर पर छः मार्गदर्शन शिविर आयोजित कर 750 छात्र-छात्राओं को लाभ पहुँचाया । साथ ही ग्रामीण

प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अन्तर्गत इसी सत्र में कुल 81। छात्रों को छात्र-वृतियाँ दी गई ।

5§ औपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत इस उल्लेखनीय उपलब्धियों के अतिरिक्त संस्थान के अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग द्वारा राज्य के अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों पर कार्यरत अनुदेशकों के लिए 91 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गए, जिनमें अब तक 4550 अनुदेशकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है ।

6§ ज्ञातव्य है कि सप्तम पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में शिक्षा के सार्वजनीनीकरण के लक्ष्यों की समुप्राप्ति के सम्बन्ध में अपेक्षित आधार पत्र तैयार कर शिक्षा निदेशालय को प्रेषित किया गया है ।

7§ इसी तरह अनुसंधान की श्रृंखला में, शिक्षा सचिव, राजस्थान द्वारा प्रदत्त तीन अनुसंधान अध्ययन पूर्ण कर उनके प्रति वेदन राज्य सरकार को प्रस्तुत किये गये हैं ।

8§ इस प्रतिवेदन से स्पष्ट है कि संस्थान द्वारा आयोज्य अन्य प्रवृतियों यथा- व्यावसायिक निर्देशन सेवा, मूल्य आधारित शिक्षा, सामुदायिक समूह गान प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रसार सेवा से सम्बद्ध कार्य भी उल्लेखनीय रहे हैं ।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर को अन्य अभिकरणों यथा यूनीसेफ, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली, सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र,

नई दिल्ली, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर का भी विभिन्न प्रायोजनाओं एवं शैक्षिक कार्य गोष्ठियों के संचालन में अपेक्षित सहयोग एवं निर्देशन प्राप्त होता रहा है । एतदर्थ मैं इन सभी अभिकरणों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ ।

संस्थान का प्रकाशन अनुभाग विभिन्न प्रभागों द्वारा तैयार की गई मुद्रण योग्य सामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था करता है । साथ ही इस अनुभाग द्वारा एक द्वैमासिक - पत्रिका "संस्थान-समाचार" का सम्पादन एवं प्रकाशन किया जाता है । संस्थान के सत्र 1983-84 के प्रकाशनों की सूची प्रतिवेदन के परिशिष्ट में द्रष्टव्य है ।

अन्त में मैं संस्थान से सम्बद्ध स्तरीय परामर्श दात्री समिति के सभी माननीय सदस्यों संस्थान के सभी प्रभागाध्यक्षों, शिक्षा विदों, अधिकारियों, क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों, संदर्भ व्यक्तियों एवं अनुसंधान सहायकों द्वारा इस सत्र में सम्पन्न कार्य व सहयोग के लिए आभार एवं कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ, एवं आशा करता हूँ कि भविष्य में भी वे इसी तरह से उत्तम सहयोग प्रदान करेंगे ।

मैं संस्थान के प्रकाशन अधिकारी श्री हरिश्चन्द्र शर्मा को इस "वार्षिकी" के सामयिक प्रकाशन के उपलक्ष में साधुवाद एवं हार्दिक बधाई प्रदान करता हूँ

§ भँवर लाल शर्मा §
निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

नरेन्द्र/-
15·6·84

अपनी बात

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर का सत्र 1983-84 का अंक " वार्षिकी " आपकी सेवार्थ प्रस्तुत करते हुए मैं प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूं। यह अंक संस्थान के समस्त प्रभागों का बहुआयामी प्रगति का द्योतक है एवं नूतन उपलब्धियों का परिचयात्मक प्रकाशन है।

वस्तुत: विगत सत्र की प्रगति एवं उपलब्धियों का क्षेत्र व्यापक एवं उल्लेखनीय रहा है। संस्थान ने नवीन पाठ्यचर्या का निर्माण व मूल्यांकन, अनुसंधान व शैक्षिक प्रशिक्षण तथा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में जो प्रगति व उपलब्धियां अर्जित की है, वे प्रस्तुत प्रतिवेदन में तथ्यात्मक रूप से प्रकाशित की गई हैं।

" वार्षिकी " के प्रकाशन में संस्थान के निदेशक श्री भंवर लाल शर्मा द्वारा वांछित दिशा बोध प्रदान किया गया है। इसी तरह संस्थान के उप निदेशक द्वय : श्री जगदीश नारायण पुरोहित एवं श्री लालचन्द डोसी, तथा कनिष्ठ उप निदेशक श्रीमती मुन्ना देवी द्वारा सामयिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। एतदर्थ मैं इनवरिष्ठ अधिकारियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता प्रगट करता हूं।

साथ ही मैं संस्थान के विभिन्न प्रभागाध्यक्षों शैक्षिक अधिकारियों एवं अनुसंधान सहायकों का भी आभारी हूं, जिनके सहयोग व संबल के बिना इस प्रतिवेदन का प्रकाशन संभव नहीं होता।

श्री नरेन्द्र गुड़िया कनिष्ठ लिपिक ने इस प्रतिवेदन के टंकण कार्य द्वारा मुझे अपेक्षित सहयोग प्रदान किया है, अत: इनके प्रति भी अपना आभार एवं धन्यवाद अर्पित करता हूं।

प्रस्तुत प्रतिवेदन शिक्षा के गुणात्मक विकास के बहुआयामी पक्ष को कितना उजागर कर पाया है तथा अपने आप में कितना सार्थक व उपयोगी बन पड़ा है, यह तो विद्वान पाठक ही बता सकेंगे ।

एतदर्थ आपके सुझाव सादर आमंत्रित है ।

हरिश्चन्द्र शर्मा
प्रकाशन अधिकारी,
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

अनुक्रमणिका

विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	--
अपनी बात	--
प्रस्तावना	1
संस्थान: पृष्ठ भूमि एवं परिचय	2
संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम एवं उपलब्धियां	6
प्रभागवार कार्यक्रम एवं उपलब्धियों का विवरण :-	
प्रभाग -1	27
प्रभाग - 2	34
प्रभाग - 3	38
प्रभाग - 4	41
प्रभाग -5	43
प्रभाग - 6	46
प्रभाग - 7	50
प्रभाग - 8	55
संस्थान के प्रकाशनों की सूची (83-84)-	
- परिशिष्ठ -1	62
स्वीकृत बजट- परिशिष्ठ - 2	64
आंवटित पद- परिशिष्ठ - 3	65
शैक्षिक अधिकारियों की सूची-	
- परिशिष्ठ- 4	66

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,

उदयपुर

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

(सत्र 83 - 84)

प्रस्तावना:-

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् राष्ट्र की शैक्षिक आवश्यकताओं की संपूर्ति के लिए "प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीनीकरण" का लक्ष्य निर्धारित किया गया। परिणामस्वरूप शिक्षा में द्रुत गति से संख्यात्मक विकास हुआ। किंतु, वांछित परिणामों की प्राप्ति के मार्ग में संख्यात्मक विकास पर्याप्त सिद्ध नहीं हुआ। संख्यात्मक विकास के दृढ़ीकरण हेतु गुणात्मक उन्नयन एक आधारभूत आवश्यकता बन गई।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर इस आवश्यकता की पूर्ति हेतु शिक्षा में गुणात्मक उन्नयन की दिशा में प्रयत्न शील है।

शिक्षा में गुणात्मक उन्नयन एक सतत् प्रक्रिया का परिणाम है। शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रयोग, तथा प्रयोगों से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर क्षेत्र में वांछित परिवर्तन इस प्रक्रिया के विभिन्न पद है। इस क्रम में एक ओर उपयुक्त पाठ्यचर्या तथा पाठ्यपुस्तकों के विकास एवं श्रव्य दृश्य सामग्री और जनसंचार माध्यमों के फलदायी उपयोग की आवश्यकता है। दूसरी ओर, समुचित शिक्षक प्रशिक्षण, शिक्षा प्रशासक प्रशिक्षण, शिक्षा

प्रसार सेवा, मूल्यांकन एवं भविष्योन्मुखी आयोजना की आवश्यकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है ।

संस्थान के विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम, पाठ्यचर्या एवं पाठ्यपुस्तक विकास कार्यक्रम, सेवारत प्रशिक्षण, तथा अनुसंधान आदि उक्त आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए शिक्षा में गुणात्मक उन्नयन के ठोस आधार प्रस्तुत करते हैं ।

संस्थान : पृष्ठभूमि एवं परिचय :-

शिक्षा विभाग राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में प्रारम्भ से ही गुणात्मक उन्नयन, शिक्षक प्रशिक्षण, मूल्यांकन, श्रव्य दृश्य सामग्री का शिक्षा में उपयोग तथा शिक्षा प्रसार सेवा आदि आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सचेष्ट रहा है । परिणामतः राजस्थान में 1956 से 1973 तक की अवधि में निम्नांकित अधिकरणों की स्थापना हुई :-

1- श्रव्य-दृश्य शिक्षा इकाई (1956)
2- राज्य शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन ब्यूरो (1958)
3- राज्य शिक्षा संस्थान (1963)
4- राज्य शैक्षिक मूल्यांकन इकाई (1963)
5- राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान (1965)
6- पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग (1966)
7- राज्य भाषा अध्ययन संस्थान (1966)
8- शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ (1973)

ये संस्थाएं व इकाईयां स्वतंत्र रूप से अपने कार्य संपादित कर शैक्षिक स्तर के उन्नयन के प्रयास करती रही । धीरे धीरे यह अनुभव किया जाने लगा कि यदि उपरोक्त संस्थाओं को समन्वित कर एक संस्थान बनाया जा सके तो शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक गतिशील और प्रभावकारी

बनाया जा सकता है । परिणामस्वरूप राज्य सरकार ने प्रो० आर० सी० महरोत्रा, तत्कालीन विभागाध्यक्ष रसायन शास्त्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया । इस समिति ने दिनांक 4-4-1970 को अपने प्रतिवेदन में उपर्युक्त आठों इकाईयों के कार्य में समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के गठन का सुझाव दिया ।

उच्चाधिकार प्राप्त इस समिति की अभिशंषा पर निर्णय लेने हेतु उच्च अधिकारियों की बैठक दिनांक 20 व 21 अप्रैल 1978 को बीकानेर में आयोजित हुई । इस बैठक में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के संबंध में निर्णय लिया गया । फलस्वरूप दिनांक 17 अक्टूबर 1978 से संस्थान ने उदयपुर में अपना कार्य प्रारंभ किया ।

भूतपूर्व आठो अभिकरणों का एकीकरण करते हुए [redacted]. 80 से संस्थान में निम्नांकित आठ प्रभागों की स्थापना हुई :-

1- मानविकी एवं समाज विज्ञान प्रभाग
2- विज्ञान एवं गणित प्रभाग
3- मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग
4- शैक्षिक प्रशिक्षण एवं पत्राचार प्रभाग
5- शैक्षिक प्रशासन, परिवीक्षण एवं आयोजना प्रभाग
   (श्रव्य, दृश्य, शिक्षा ईकाइ सहित)
6- शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग
7- भाषा अध्ययन प्रभाग
8- अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग

उपरोक्त प्रभागों के अन्तर्गत विशेष प्रायोजनाओं के संचालन हेतु समय समय पर विशेष प्रकोष्ठों की स्थापना की गई । वर्तमान में निम्नां-

कित प्रायोजनाओं का संचालन विशेष प्रकोष्ठों द्वारा किया जा रहा है, यथा -

1- " पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा, एवं पर्यावरणीय स्वच्छता "
- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना सं 1 (A)

2- " प्राथमिक शिक्षा - शिक्षाक्रम नवीनीकरण"
- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना सं 2

3- " सामुदायिक शिक्षा एवं सहयोग की विकासात्मक " प्रवृत्तियां"
- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना सं 3

4 " पूर्व प्राथमिक शिक्षा "
- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना सं 4

5- " प्राथमिक शिक्षा " व्यापक उपागम " (केप)
- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना सं. 5

6- " जनसंख्या शिक्षा"
यू०एन०एफ०पी०ए० से सहायता प्राप्त प्रायोजना

संस्थान के मुख्य कार्य एवं [illegible] :-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शैक्षिक क्षेत्र की अनुभूत आवश्यकताओं को ध्यान रखते हुए अपने विभिन्न प्रभागों के माध्यम से अनुसंधान, गुणात्मक उन्नयन, प्रशिक्षण, मूल्यांकन, तथा शिक्षा प्रसार सेवा एवं प्रकाशन के दायित्व का वहन करता है । इस हेतु यह निरन्तर संपर्क तथा विचारों के आदान प्रदान की प्रक्रिया को अपनाता रहा है । राज्य की शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए तथा विद्यालयों शिक्षकों और छात्रों की आवश्यकताओं का अनुभव करते हुए यह अपने कार्यक्रमों को स्वरूप प्रदान करता है । तदनुसार, विभिन्न सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम विचारगोष्ठी व [illegible] शिक्षक प्रशिक्षकों शैक्षिक प्रशासक एवं

परिवीक्षकों तथा अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं । इस प्रक्रिया में नवीनतम शैक्षिक विचार प्रयोग एवं संकल्पनाओं को शिक्षा क्षेत्र में प्रचारित करने का प्रयत्न किया जाता है । अनुसंधान अध्ययनों के माध्यम से शैक्षिक एवं प्रशासकीय समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करने का यत्न किया जाता है ।

राज्य स्तरीय परामर्शदात्री समिति :-

संस्थान के कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से विभागीय प्रशासनिक नियंत्रण के आधीन राज्य स्तरीय दो परामर्शदात्री समितियां गठित है । (1) राज्य स्तरीय परामर्शदात्री समीति (2) कार्यक्रम अनुमोदन समिति ।

(अ) राज्य स्तरीय परामर्शदात्री समिति में निम्नलिखित सदस्य है :-

1- शिक्षा आयुक्त एंव सचिव - अध्यक्ष
2- निदेशक प्राथमिक एंव माध्यमिक शिक्षा राज० बीकानेर - सदस्य
3- निदेशक , कालेज शिक्षा - सदस्य
4- निदेशक, सामुदायिक विकास एंव पंचायत विभाग,जयपुर - सदस्य
5- अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर - सदस्य
6- वित्त विभाग राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि - सदस्य
7- आयोजना विभाग, राज्यसरकार का प्रतिनिधि - सदस्य
8- एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली का प्रतिनिधि - सदस्य
9-10 दो शिक्षा विद - सदस्य
11-12 संस्थान के दो प्रभागाध्यक्ष - सदस्य (क्रम से)
13- निदेशक, एस०आई०ई०आर०टी० - सदस्य सचिव

(आ) कार्यक्रम अनुमोदन समिति में निम्नांकित सदस्य है :-

1- निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राज० बीकानेर - अध्यक्ष

2- निदेशक, संस्थान - उपाध्यक्ष

3-10 सभी आठ प्रभागाध्यक्ष - सदस्य

11-13 निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा द्वारा मनोनीत तीन व्यक्ति - सदस्य

राज्य स्तरीय परामर्शदात्री की पिछली बैठक दिनांक 30 जुलाई 1983 को आयोजित हुई थी, जिसमें संस्थान व्यवस्था के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

कार्यक्रम अनुमोदन समिति की पिछली बैठक दिनांक 28-29 जुलाई को हुई। सत्र 83-84 के प्रस्तावित कार्यक्रमों का अनुमोदन करने के लिये प्रस्ताव इस समिति में रखे गये और जिन्हें अंतिम रूप दिया गया।

संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम एवं उपलब्धियाँ :-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानउदयपुर ने सत्र 83-84 में अपने विभिन्न क्षेत्रों में निम्नांकित रूप से कार्यक्रम आयोजित किये एवं उपलब्धियाँ अर्जित की :-

1- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

आलोच्य वर्ष में संस्थान ने अपने प्रभागों के माध्यम से 50 विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 1424 संभागियों को प्रशिक्षित किया। इन कार्यक्रमों का नाम आदि विवरण निम्नांकित हैं :-

क्र0सं0	कार्यक्रम का नाम	आयोजित कार्य क्रमों की संख्या	संभागी संख्या	आयोजक प्रभाग
1	2	3	4	5
1-	सेवारत प्राथ0 एवं उच्च प्राथ0 अध्यापक अभिनवन शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	7	233	मानविकी एवं समाज विज्ञान प्रभाग - 1
2-	अभिनवन शिविर निदेशक अभिस्थापन	1	19	-- " --
3-	अभिनवन शिविर परामर्श अभिस्थापन	1	32	-- " --
4-	अवि0इ0 शिक्षण व्यवस्था के अंतर्गत अध्यापक प्रशिक्षण	2	80	-- " --
5-	शिक्षा कर्मी प्रशिक्षण	1	30	-- " --
6-	शिक्षा केन्द्र परिवीक्षक कार्यगोष्ठी	1	20	-- " --
7-	पूर्व प्राथमिक शिक्षा परिवीक्षक अभिस्थापन कार्यगोष्ठी	1	27	-- " --
8-	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी प्रशिक्षण	1	14	-- " --
9-	पूर्व प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक अभिस्थापन	1	14	-- " --
10-	सामुदायिक समूह गान प्रशिक्षण	1	50	-- " --
11-	प्रयोगशाला सहायक प्रशिक्षण	1	30	विज्ञान एवं गणित प्रभाग-2
12-	पर्यावरण आधारित विज्ञानशिक्षण	2	50	-- " --

1	2	3	4	5
13-	पर्यावरण अध्ययन संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	1	30	विज्ञान एवं गणित प्रभाग-
14-	उ0प्रा0शिक विज्ञान एवं गणित अभिनवन शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	2	100	-- ,, --
15-	राष्ट्रीय विज्ञान मेला संदर्भ व्यक्ति अभिस्थापन	1	12	-- ,, --
16-	व्यावसायिक निर्दे॰ शाला परामर्श॰ अभिस्थापन	1	6	मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग-
17-	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी निर्देशन अभिस्थापन	1	33	-- ,, --
18-	विकलांग बालक एकीकृत शिक्षा संदर्भ अध्यापक अभिस्थापन	2	49	-- ,, --
19-	माध्यमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक अभिस्थापन	6	272	शैक्षिक प्रशास परिवीक्षण, आयोजना प्रभ
20-	वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी अभिस्थापन	1	28	--- ,, ---
21	मा0वि0 प्रधानाध्यापक वादपीठ, अध्यक्ष एवं सचिव अभिस्थान	2	34	--- ,, --
2-	रेडियो आलेख लेखन प्रशिक्षण	1	9	शैक्षिक प्रौद्यो गिकी प्रभाग
23-	दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	1	9	--- ,, --

1	2	3	4	5
24-	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी अभिस्थापन	1	22	शैक्षिक प्रौद्यो-गिकी प्रभाग-6
25-	प्रचालक प्रशिक्षण	1	20	--- " ---
26-	ग्रीष्मकालीन अंग्रेजी भाषाध्यापक शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	1	15	भाषा अध्ययन प्रभाग-7
27-	शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय अंग्रेजी व्याख्याता अभिनवन शिविर	1	17	-- " --
28-	शिक्षा प्रसार अधिकारी अभिनवन	1	38	अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग-8
29-	अनौपचारिक शिक्षा परिवीक्षक अधिकारी अभिस्थापन	2	44	--- " ---
30-	वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी अभिस्थापन	1	29	--- " ---
31-	शि0प्र0वि0 प्रधानाचार्य अभिस्थापन	1	29	--- " ---
32-	माध्यमिक शिक्षा विभाग में अभिस्थापन	2	29	--- " ---
	योग	50	1424	

2- पाठ्यक्रम ,पाठ्यपुस्तक, प्रश्न पत्र विश्लेषण एवं समीक्षा तथा पाठ्यचर्या और पाठ्य सामग्री विकास कार्यक्रम :-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान अपने प्रभागों के माध्यम से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहा है जो क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यचर्या तथा अध्यापन अधिगम सामग्री का विकास करने

मैं सहायक हूँ ।

सत्र 83-84 में संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किये :-

क्र0सं0	कार्यक्रम का नाम	आयोजित कार्य दिवसों की संख्या	संभागी संख्या	आयोजक प्रभाग
1	2	3	4	5
1-	विद्यालयोन्मुखी कार्यक्रम निर्माण	1	9	मानविकी एवं समाज विज्ञान प्रभाग -1
2-	पाठ्यपुस्तक समीक्षा कार्यगोष्ठी	1	20	-- " --
3-	आशुरचित उपकरण निर्माण कार्यगोष्ठी	1	11	विज्ञान एवं गणित प्रभाग - 2
4-	टैपस्लाइड पाठ निर्माण कार्यगोष्ठी	1	10	-- " --
5-	उच्च प्राथ0 कक्षाओं हेतु नवीन पाठ्यक्रम निर्माण	3	27	-- " --
6-	प्रतिभाखोज कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रश्न कोष संदर्शिका निर्माण कार्यगोष्ठी	3	17	-- " --
7-	ग्रेडेशन प्रणाली परीक्षा परिणाम मूल्यांकन एवं समीक्षा	1	3	मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग
8-	विषयवार डिजाईन तथा प्रकरणानुसार अंकभार तैयार करने हेतु कार्यगोष्ठी	1	38	--- " ---
9-	आदर्श प्रश्न पत्र निर्माण कार्यगोष्ठी	1	19	--- " ---

1	2	3	4	5
10-	कक्षा 1से 8 परीक्षा व्यवस्था समीक्षा	1	41	मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग - 3
11-	नैदानिक प्रश्न पत्र कार्यगोष्ठी	1	23	--- " ---
12-	विद्यालय पत्रिका मूल्यांकन एवं समीक्षा	1	4	--- " ---
13-	टैप्स के लिए सामग्री विकास कार्य गोष्ठी	1	4	प्रभाग - 6
14-	फिल्म स्ट्रिप्स निर्माण कार्यगोष्ठी	1	20	--- " ---
15-	ग्रीष्मकालीन शिविर दैनिक योजना समीक्षा	1	3	भाषा अध्ययन प्रभाग - 7
16-	कक्षा 8 की पाठ्यपुस्तक के पाठों की कक्षा परीक्षा	1	-	--- " ---
17-	शि0प्र0वि0 द्वितीय वर्ष अंग्रेजी पाठ्यक्रम समीक्षा	1	12	--- " ---
18-	कक्षा 7 अंग्रेजी अध्यापक संदर्शिका लेखन	3	11	--- " ---
19-	कक्षा 8 अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक लेखन	4	35	--- " --
20-	कक्षा 8 अंग्रेजी कार्यपुस्तक लेखन	3	19	-- " ---
21-	कक्षा 8 अंग्रेजी अध्यापक संदर्शिका लेखन	2	14	--- " ---
22-	कक्षा 6 से 8 अंग्रेजी पाठ्यक्रम समीक्षा	1	9	--- " ---
23-	उर्दू पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक समीक्षा	4	29	--- " ---

1	2	3	4	5
24-	उ०प्रा०स्तरोन्मुख अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रम निर्माण कार्यगोष्ठी	2	31	अनौपचारिक [illegible] [illegible] - 8
25-	उ०प्रा० स्तरोन्मुख अनौपचारिक शिक्षा अधिगम सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी	2	8	--- " ---
26-	अनौपचारिक शिक्षा में श्रव्य दृश्य सामग्री का आयोजन	1	8	--- " ---
27-	अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक प्रशिक्षण मंजूषा निर्माण कार्यगोष्ठी	1	13	--- " ---
28-	अनपढ़ बालकों के लिए अधिगम सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी	1	29	--- " ---
29-	अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यपुस्तक समीक्षा कार्यगोष्ठी	1	18	--- " ---
30-	अधिगम प्रसंग निर्माण एवं प्रक्रमण कार्यगोष्ठी	6	127	--- " ---
31-	अधिगम प्रसंग अनुमोदन राज्य स्तरीय बैठक	1	8	--- " ---
	योग	53	620	

इस प्रकार संस्थान ने 53 कार्यक्रम आयोजित कर 620 संभागी विषय विशेषज्ञों का सहयोग प्राप्त कर पाठ्यचर्या विकास एवं पाठ्यसामग्री विकास के कार्य में गति प्रदान की । इन कार्यक्रमों के आयोजन से निम्नांकित उपलब्धियाँ प्राप्त हुई ।

1- अविभक्त इकाई से कक्षा 5 तक का नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया जाकर राज्य सरकार से अनुमोदन प्राप्त किया गया तथा आवश्यक संशोधन पश्चात् समय पर राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल को मुद्रण हेतु प्रेषित किया गया ।

2- समय बद्ध कार्यक्रम के अनुसार उपरोक्त नवीन पाठ्यक्रमानुसार प्राथमिक कक्षाओं के विभिन्न विषयों की 10 पाठ्यपुस्तकों का लेखन पूर्ण कर लिया गया तथा पुस्तकें राज्य सरकार को प्रेषित की गई ।

3- कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया को गति उपलब्ध हुई ।

4- स्वतंत्रता संग्राम संबन्धी विषय पर कक्षा 1 से 10 तक का पाठ्यक्रम निर्मित हुआ जिसे राज्य सरकार से अनुमोदन प्राप्त हुआ ।

5- स्वत्रतां संग्राम संबंधी विषय पर अनुमोदित पाठ्यक्रमानुसार पाठ लेखन की प्रक्रिया में गति आई ।

6- राज्य सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय भावात्मक एकता के संदर्भ में पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा का कार्य पूर्ण हुआ । संबंधित सुझाव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल को प्रेषित किये गये ।

7- राष्ट्रीय प्रतिभालोज परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों के मार्ग दर्शन के लिए प्रश्नकोष संदर्शिका की पांडुलिपि तैयार कर ली गई ।

8- टेप स्लाईड पाठ निर्माण के कार्य में गति आई ।

9- शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों में द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों के लाभ के लिए आदर्श प्रश्न पत्र पुस्तिका तैयार कर ली गई तथा विद्यालयों को प्रेषित की गई ।

10- कक्षा 7 की अंग्रेजी शिक्षक संदर्शिका तथा कक्षा 8 की अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार तैयार कर मुद्रण हेतु राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल को प्रेषित की गई ।

11- अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में उच्च प्राथमिक स्तर का पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया तथा पाठ्य सामग्री के विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई ।

12- अनौपचारिक शिक्षा में अनुदेशकों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण एषिका तैयार कर ली गई ।

13- उपयोगी पाठ्य सामग्री तैयार की गई जिसका " प्रकाशन " स्तंभ में उल्लेख किया गया है ।

3- सेवारत प्रशिक्षण :-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान राज्य के विभिन्न जिलों में प्राथमिक शिक्षकों के लिए हिन्दी, संस्कृत एवं सामाजिक अध्ययन विषयों में, तथा उच्च प्राथमिक शिक्षकों के लिए अंग्रेजी विज्ञान तथा गणित विषयों में सेवारत प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है । ये शिविर अंग्रेजी विषय में 42 दिवसीय तथा अन्य विषयों में 28 दिवसीय होते हैं । क्षेत्र की विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से संस्थान द्वारा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में " अनुदेशक प्रशिक्षण शिविर ", शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक प्रशिक्षण एवं " प्रयोक्ता प्रशिक्षण " शिविर, और व्यावसायिक निर्देशन " क्षेत्र में" निर्देशन कार्य कर्ता अभिस्थापन " शिविर भी आयोजित करता है ।

सत्र 83-84 में विभिन्न सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नांकित रहे :-

क्र0सं0	नाम कार्यक्रम	शिविर संख्या	संभागी संख्या	आयोजक प्रभाग
1-	सेवारत प्राथमिक शिक्षक अभिनवन शिविर	54	2582	प्रभाग -1
2-	सेवारत उच्च प्राथमिक शिक्षक अभिनवन शिविर (हिन्दी, संस्कृत एवं सामाजिक ज्ञान)	6	340	--"--
3-	ग्रीष्मकालीन उ0प्रा0गणित । विज्ञान शिक्षक अभिनवन शिविर	4	200	प्रभाग-2
4-	निर्देशन कार्यकर्ता अभिस्थापन शिविर	8	242	प्रभाग-3
5-	दूरदर्शन प्रदर्शक अध्याप0प्रशिक्षण शिविर	12	413	प्रभाग-6
6-	ग्रीष्मकालीन उ0प्रा0वि0 अंग्रेजी शिक्षक अभिस्थापन शिविर	4	200	प्रभाग -7
7-	अनुदेशक प्रशिक्षण शिविर (अनौपचारिक शिक्षा)	91	4550	प्रभाग-8
	योग	179	8527	

इस प्रकार संस्थान ने 179 विभिन्न सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 8527 संभागियों को प्रशिक्षण एवं अभिनवन का लाभ पहुंचाया जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है ।

3-1 संस्थान के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा आयोजित अल्पावधि सेवारत प्रशिक्षण :-

विभिन्न जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी गण अपने क्षेत्र की प्रशिक्षण आवश्यकता की पूर्ति के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण शिविर आयोजित करते है । ऐसे कार्यक्रमों में संस्थान

सहयोग एंव मार्गदर्शन प्रदान करता है । सत्र 83-84 में इस प्रकार के अल्पावधि प्रशिक्षण शिविर निम्नांकित रहे ।:-

क्र.सं.	नाम कार्यक्रम	शिविर संख्या	सभागी संख्या	सहयोगी प्रभाग
1-	सेवारत प्राथमिक शिक्षक अभिनवन शिविर	77	3080	प्रभाग-1
2-	सेवारत उच्च प्रा० अंग्रेजी शिक्षक अभिनवन शिविर	16	558	प्रभाग -7
	योग	93	3638	

इस प्रकार आलोच्य अवधि में अल्पावधि अभिनवन शिविरों के माध्यम से3638 अध्यापकों को अभिस्थापन में संस्थान का सहयोग रहा ।

4- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा मार्गदर्शन शिविर:-

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एंव प्रशिक्षण परिषद नईदिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा में राजस्थान के संभागी विद्यार्थियों की विशेष तैयारी के लिए संस्थान डिवीजन स्तर पर 6 मार्ग-दर्शन शिविर आयोजित करता है । ये शिविर संस्थान के गणित एंव विज्ञान प्रभाग के अन्तर्गत सत्र में 2 बार आयोजित किये जाते हैं । उल्लेखनीय है कि इन शिविरों के परिणाम स्वरूप सत्र 83 की परीक्षा में राजस्थान के विद्यार्थियों ने 747 राष्ट्रीय छात्रवृत्तियों में से 110 छात्रवृत्तियां अर्जित की । सत्र 83-84 में भी संस्थान ने ये शिविर आयोजित कर 750 छात्रों को लाभ पहुंचाया ।

5- राज्य विज्ञान मेला :-

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षणपरिषद नई दिल्ली, की स्वीकृत नीति के अनुसार राज्य में बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा को उभारने के लिए संस्थान प्रभाग-2 के अन्तर्गत प्रतिवर्ष राज्य विज्ञान मेला आयोजित करता है। सत्र 83-84 में राज्य विज्ञान मेला जोधपुर में आयोजित हुआ जिसमें 376 छात्र-छात्राओं के प्रदर्श प्रदर्शित हुए। सरदार शहर के छात्र संजय नाहटा के प्रदर्श " सोलर कार " ने न केवल यहां वरन् राष्ट्रीय विज्ञान मेला 83 लखनऊ में प्रशंसा अर्जित की तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पत्रिका के मुख पृष्ट पर स्थान पाया।

6- माध्यमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक एवं परिवीक्षण अधिकारी अभिस्थापन:-

विभागीय पदोन्नति अथवा लोक सेवा आयोग द्वारा माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के पद पर चयनित व्यक्तियों के प्रशिक्षण हेतु संस्थान अपने प्रभाग 5 के अन्तर्गत शिविर आयोजित करता है। प्रधानाध्यापक के अतिरिक्त अन्य परिवीक्षण अधिकारियों के लिए भी प्रभाग अभिस्थापन शिविर आयोजित कर शिक्षा जगत में नवीन विचार, परिवीक्षण और मैनेजमेन्ट के क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकों का प्रसार करता है। सत्र 83-84 में प्रभाग ने 9 कार्यक्रम आयोजित कर 334 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का लाभ पहुंचाया है।

7- विकलांग बालकों के लिए स्वीकृत शिक्षा योजना:-

भारत सरकार व एन०सी०ई०आर०टी० नई दिल्ली के मार्गदर्शन में उक्त योजना संस्थान के प्रभाग3 की देखरेख में राजस्थान में 6 मुख्य नगरों में संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत 432 विकलांग बालक सामान्य

विद्यालयों में शिक्षा पा रहे हैं। सत्र 83-84 में संस्थान ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर इन विद्यालयों के 49 संदर्भ अध्यापकों को अभिस्थापित किया।

8- शैक्षिक प्रौद्योगिकी:-

अध्यापकों को शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना, दूरदर्शन तथा रेडियो पर प्रसारित होने वाले शैक्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना, तथा श्रव्य दृश्य सामग्री का निर्माण करना संस्थान का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। सत्र 83-84 में संस्थान के प्रभाग-6 के तत्वावधान में 413 दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया तथा रेडियो आलेख लेखन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। श्रव्य दृश्य शिक्षा इकाई ने प्रचालक प्रशिक्षण आयोजित किया, तथा " प्रक्षेपणीय सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी " में सामान्य विज्ञान भूगोल, नागरिक शास्त्र एवं गणित विषयों में फिल्म स्ट्रिप्स व कमेन्ट्री तैयार की।

9- ग्रामीण प्रतिभा खोज कार्यक्रम :-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान अपने इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाशील विद्यार्थियों की खोज में चेष्टाशील है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 236 पंचायत समिति स्थलों पर आठवीं कक्षा पास विद्यार्थियों के लिए परीक्षा आयोजित कर चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। सत्र 83-84 में आयोजित इस परीक्षा में 8713 विद्यार्थी बैठे जिनमें से 811 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गई।

10- व्यावसायिक निर्देशन सेवा:-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के मार्ग दर्शन में राज्य में विद्यार्थियों के लाभ के लिए व्यावसायिक निर्देशन केन्द्र

कार्य कर रहे हैं। संस्थान अपने मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग के माध्यम से इन निर्देशन केन्द्रों के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। सत्र 83-84 में ऐसे 8 प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर 242 निर्देशन कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। ग्रीष्मकालीन निर्देशन शिविर आयोजित कर दो हजार से अधिक छात्रों को निर्देशन सेवा उपलब्ध कराई गई।

11- <u>अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक प्रशिक्षण :-</u>

राजस्थान में 8000 से अधिक अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों के अनुदेशकों के लिए संस्थान प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है। सत्र 83-84 में संस्थान के " अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग " के तत्वावधान में विभिन्न जिलों में 91 अनुदेशक प्रशि[illegible] प्रशिक्षित हुए।

12- <u>मूल्य आधारित शिक्षा :-</u>

उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर ने प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर तक के लिए नैतिक शिक्षा पाठ्यक्रम निर्मित कर राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दिया है। जो राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित हो गया है। कक्षा 1 से 3 तक की पाठ्यक्रमानुसार पुस्तकें संस्थान द्वारा निर्मित की गई कक्षा 4 से 8 तक की पुस्तकें लिखवाने व मुद्रित करने का कार्य राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल को सौंपा गया है।

13- <u>सामुदायिक समूह गान प्रशिक्षण कार्यक्रम;-</u>

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा संचालित यह कार्यक्रम राष्ट्रीय भावात्मक एकता के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण माना गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत की विभिन्न भाषाओं के 15 सामुदायिक गीतों का चयन किया गया है, जिन्हें प्रशिक्षित अध्यापकों के माध्यम से विद्यालयी बालक बालिकाओं तक

पहुंचाना है । इस दिशा में संस्थान द्वारा आयोजित दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 80 से अधिक संदर्भ अध्यापक प्रशिक्षित किये जा चुके हैं ।

14- शिक्षा प्रसार सेवा कार्यक्रम:-

संस्थान अपने शिक्षा प्रसार सेवा केन्द्र के माध्यम से निरन्तर शिक्षा प्रसार सेवा कार्यक्रम आयोजित करता रहा है । सत्र 83-84 में केन्द्र ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत 80 शिक्षकों को अविभक्त इकाई शिक्षण व्यवस्था से संबंधित प्रशिक्षण दिया, तथा 14 शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारियों को प्रशिक्षित किया । इसके साथ ही क्षेत्र में 8 अध्ययन वृत्तों की स्थापना की गई ।

15- अनुसंधान:-

संस्थान अनुसंधान अध्ययनों के माध्यम से शैक्षिक एवं प्रशासनिक समस्याओं का अध्ययन एवं समाधान प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य कर रहा है सत्र 83-84 में निम्नांकित अनुसंधान अध्ययन सम्पन्न किये गये :-

1- बालिका शिक्षा में पिछड़ापन - सर्वेक्षण अध्ययन
2- राजस्थान में अप्रशिक्षित अध्यापकों का सर्वेक्षण
3- राजस्थान में जिला शिक्षा अधिकारियों की सेवा-निवृति पदोन्नति एवं स्थानान्तरण की आवृति - एक अध्ययन
4- कक्षा 8 की परीक्षा व्यवस्था
5- अनुसूचित जाति । जन जाति के छात्रों को प्रदत्त उत्प्रेरकों का प्रभाव
6- स्कूल चलो अभियान का नामांकन पर प्रभाव
7- अध्यापक निवास का प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के नामांकन व उनके विद्यालय में ठहराव पर प्रभाव ।

16- प्रकाशन :-

संस्थान " प्रकाशन अनुभाग " के माध्यम से प्रभागीय मुद्रण योग्य सामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था करता है । इनके अलावा, संस्थान की गतिविधियों को प्रसारित करने के उद्देश्य से " संस्थान समाचार " त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित की जाती है । सत्र 83-84 में विभिन्न प्रभागों के 8 शीर्षक प्रकाशित हुए । अनुपलब्धता प्रमाण पत्र के समय पर उपलब्ध न हो पाने से संस्थान समाचार के तीन अंक प्रकाशित हो सके ।

प्रभागीय प्रकाशन एवं विशेष प्रायोजनाओं के अन्तर्गत प्रकाशन की सूची परिशिष्ट संख्या ----1---- में दर्शाई गई है ।

17- अन्य अभिकरणों से सहयोग:-

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शिक्षा जगत में नवीन विचारों के आदान प्रदान करने तथा अपने कार्यक्रमों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से यूनीसेफ, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सी०सी० आर०टी० नई दिल्ली, विकास एवं पंचायती राज विभाग आदि अभिकरणों से निरन्तर संपर्क एवं सहयोग करता है । सत्र 83-84 में उपरोक्त अभिकरणों से निम्नांकित कार्यक्रमों के आयोजन का सौभाग्य संस्थान को प्राप्त हुआ, यथा -

संस्थान में अन्य अभिकरणों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची:-

(सत्र 83 - 84)

क्र०सं० 1	नाम कार्यक्रम 2	अवधि 3	आयोजक अभिकरण 4
1-	प्राथमिक शिक्षा-शिक्षाक्रम विकास प्रकोष्ठ कार्यकर्ता अभिस्थापन (अखिल भारतीय) कार्य गोष्ठी	4-11-83 से 5-10-83	एन०सी०ई०आर०टी० नई दिल्ली,

1	2	3	4
2-	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं समाज सेवा पाठ्यक्रम निर्धारण कार्यगोष्ठी	9-11 83 से 12-11-83	मा०शि० बोर्ड राजस्थान, अजमेर
3-	भारतीय संस्कृति के संदर्भ में राजस्थान के उदयपुर क्षेत्र का गहन अध्ययन	23-11-83 से 7-12-83	सी०सी०आर०टी, नई दिल्ली
4-	महिला विकास में अनौपचारिक शिक्षा का योग	13-2-83 से 18-2-83	विकास एवं पंचायती राज० राजस्थान एवं यूनिसेफ
5-	अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान निदेशक वार्षिक बैठक	21-2-83 से 23-2-83	एन०सी०ई०आर०टी० नई दिल्ली,

18- यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजनाएं :-

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के मार्गदर्शन में, स्थानीय संस्थान में निम्नांकित यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना संचालित हैं । यद्यपि इन प्रायोजनाओं का वर्ष 83 का संयुक्त प्रगति प्रतिवेदन पृथक से प्रकाशित किया जा चुका है, निम्नांकित प्रत्येक प्रायोजना से संबंधित वर्ष 83 की उल्लेखनीय प्रगति का यहां उल्लेख किया जा रहा है, यथा -

18-1 पोषण स्वास्थ्य शिक्षा एवं पर्यावरणीय स्वच्छता :-

यह प्रायोजना दो पंचायत समितियों के विद्यालयों में संचालित है । संस्थान ने उक्त प्रायोजना के अन्तर्गत कक्षा 1 से 5 तक के लिए शिक्षा क्रम तथा कक्षा 3 से 5 तक के लिए पाठ्य सामग्री तैयार की है । वर्ष 83 में 4 प्रशिक्षण शिविरों में 246 अध्यापक प्रशिक्षित किये गये ।

18-2 " प्राथमिक शिक्षा - शिक्षा क्रम नवीनीकरण " प्रायोजना :-

इस प्रायोजना का उद्देश्य औपचारिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालयों के लिए उपयुक्त पर्यावरणीय आधारित शिक्षा क्रम एवं पाठ्य-सामग्री का विकास करना है। यह प्रायोजना राज्य के 6 जिलों के 136 विद्यालयों में संचालित है। वर्ष 83 में प्रायोजना के अन्तर्गत निम्नांकित उपलब्धियाँ रही :-

1- प्रायोजना के अन्तर्गत विकसित कक्षा 1 से 5 तक का शिक्षा क्रम का राज्य सरकार द्वारा अनुमोदन एवं [illegible] किया गया।

2- प्रायोजना के अन्तर्गत प्राथमिक कक्षाओं के विकसित चार पुस्तकें राज्य सरकार द्वारा [illegible] गृहीत हुई व राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा मुद्रित की गई।

3- नवीन पाठ्यक्रमानुसार 8 अन्य पुस्तकें राजस्थान सरकार के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत की गई

4- न्यूनतम अधिगम सातत्य को हिन्दी अनुवाद 30,000 प्रतियों में मुद्रित किया गया, ताकि राज्य सरकार के सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राथमिक शिक्षकों को उपलब्ध कराया जा सके।

18-3 सामुदायिक शिक्षा एवं सहयोग की विकासात्मक प्रवृत्तियां:-

इस प्रायोजना के अन्तर्गत राजस्थान के 6 जिलों में चल रहे सामुदायिक केन्द्रों पर 832 संभागियों को अनौपचारिक शिक्षा एवं सामुदायिक शिक्षा का लाभ मिल रहा है। वर्ष 83 में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में सामुदायिक कार्यकर्ताओं को " कृषि एवं पशुपालन " में प्रशिक्षित किया गया, तथा विभिन्न आयुवर्गों के संभागियों के लिए पाठ्य-सामग्री विकसित की गई।

18-4 पूर्व प्राथमिक शिक्षा प्रायोजना :-

इस प्रायोजना के अन्तर्गत वर्ष 83 में संस्थान में शिशु संदर्भ सामग्री केन्द्र की स्थापना की गई व बाल साहित्य तथा शिक्षण संदर्शिकाओं का निर्माण किया गया । प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर पूर्व प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापकों को अभिस्थापित किया गया ।

18-5 " प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम " (कैप) प्रायोजना :-

उक्त प्रायोजना के अन्तर्गत 9-14 आयुवर्ग के ऐसे बालक बालिकाओं के लिए पठन-सामग्री तैयार की जाती है जो किसी कारण से विद्यालय नहीं जा पा रहे । वर्ष 83 में तीन माड्यूलस (21 कैप्सूल्स) का प्रकाशन हुआ यथा -

" भूमि उपजाऊ बनायें
" बच्चों के सामान्य रोग
" घर की सफाई "

19-संस्थान के भवन, बजट, पुस्तकालय, छात्रावास आदि का विवरण :-

18-1 भवन :-

भवन निर्माण कार्य के अगले चरण के रूप में प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं । पुस्तकालय, आडिटोरियम, निदेशक आवास-गृह आदि निर्माण कार्य किये जाने हेतु राज्य सरकार को अनुमानित व्यय ब्यौरे के साथ भवन का " नील पत्र " (ब्लू प्रिंट) प्रस्तुत किया जा चुका है ।

10-2 बजट :-

संस्थान के वित्तीय साधन के रूप में राज्य सरकार की ओर से आयोजना मद में रू 49,58,100 तथा गैर आयोजना मद में 55,38,080 बजट स्वीकृत हुआ जिसका उपयोग किया गया। बजट का मदवार ब्यौरा परिशिष्ट सं. 2 में दर्शाया गया है।

10-3 पुस्तकालय:-

संस्थान के पुस्तकालय में वर्तमान में विभिन्न विषयों पर 28,000 पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पू0 पू0 राज्य भाषा अध्ययन संस्थान, जयपुर (आंग्ल भाषा) का पुस्तकालय संस्थान में स्थानान्तरण होने से 9000 पुस्तकें (आंग्ल भाषा) एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। वाचनालय में 7 दैनिक पत्र तथा 20 अन्य पत्र - पत्रिकाएं आती हैं। सत्र 83-84 में 21,000 की पुस्तकें क्रय की गईं। आलोच्य सत्र में पुस्तकालय का पुनर्गठन कर व्यवस्था को नवीन रूप प्रदान किया जाना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

10-4 छात्रावास:-

संस्थान में कार्यगोष्ठियों आदि में आने वाले संभागियों के ठहरने के लिए छात्रावास सुविधा उपलब्ध है जिसमें लगभग 80 संभागियों के ठहरने की व्यवस्था भी है। हौस्टल में तीन विशिष्ठ कक्षों की व्यवस्था भी है। सामान्य कक्षा की शुल्क दर 1 /- प्रतिव्यक्ति प्रति दिन तथा विशिष्ठ कक्षा की शुल्क दर 3 /- प्रति व्यक्ति प्रति दिन है। प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति सर्वेन्ट चार्जेज के रूप में 0.75 पैसे की दर से राशि ली जाती है। यह शुल्क लिये जाने की स्वीकृति राज्य सरकार से प्राप्त कर ली गई है।

सत्र 83-84 में छात्रावास में बिजली और पानी की अच्छी सुविधा बनाये रखने के अलावा, संभागियों को ओढने बिछाने के लिए चादर एंव बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त संभागियों के लिए भोजन - कक्ष एंव प्रातःकालीन चाय नाश्ते का प्रबन्ध किया गया है।

19- सामुदायिक विज्ञान केन्द्र :-

विधार्थी वर्ग एंव सामान्य जन समुदाय में जीवन के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने हेतु संस्थान की ओर से " सहेलियों की बाडी " में एक सामुदायिक विज्ञान केन्द्र संचालित है। इस केन्द्र में विज्ञान संबंधी माडल, चार्ट आदि प्रदर्शित किये गये है। सत्र 83-84 में 22,147 भ्रमणार्थी, विधार्थी एंव सामान्य जनता ने केन्द्र में प्रदर्शित प्रदेशों को देखा और जानकारी प्राप्त की।

19-6 कर्मचारी कल्याण सेवाएं :-

कर्मचारियों की सुविधा और मनोरंजन हेतु संस्थान प्रभाग में कैन्टीन और खेलकूद की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, उदयपुर राज्य शिक्षा संस्थान सहकारी समिति लि० (रजि०) संस्थान परिसर में 1967 से संचालित है। निदेशक संस्थान इस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष है। समिति में लगभग 89 राजपत्रित एंव अराजपत्रित कर्मचारी की सदस्यता के साथ 8900/- शेयर राशि है। समिति द्वारा 43,000/- की राशि ऋण के रूप में क्रियाशील है। समिति द्वारा अधिकतम 3000/- का ऋण स्वीकृत किये जाने का प्रावधान है। ऋण वितरण हेतु माह में एक बार बैठक आयोजित होती है तथा वर्ष में एक बार साधारण सभा आयोजित की जाती है।

प्रभागवार — कार्यक्रम

एवं

उपलब्धियों

का

विवरण

मानविकी एवं समाज विज्ञान प्रभाग

प्र भा ग - 1

इस प्रभाग के मुख्य दायित्व हैं, पाठ्यक्रम का विकास, पाठ्य-पुस्तक लेखन, संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण, विभिन्न विषयों में अध्यापक संदर्शिकाओं का निर्माण, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए सेवारत ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना, पूर्व प्राथमिकशिक्षा, आंगनवाड़ी, तथा शिशु क्रीडा केन्द्रों के अध्यापक अध्यापिका एवं परिवीक्षकों के प्रशिक्षण एवं अभिनवन की व्यवस्था करना तथा शिक्षा प्रसार सेवा के कार्यक्रमों का आयोजन एवं संचालन करना ।

सत्र 83-84 में इस प्रभाग द्वारा निम्न प्रकार से कार्यक्रम संपादित किये गये :-

1-	विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम -	17
2-	पाठ्य-पुस्तक समीक्षा कार्यशाला -	1
3-	सेवारत प्राथमिक शिक्षक 28 दिवसीय अभिनवन शिविर -	54
4-	प्राथमिक शिक्षक अल्पावधि अभिनवन शिविर (क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आयोजित)	77
5-	सेवारत उच्च प्राथमिक शिक्षक अभिनवन शिविर -	6
6-	शिक्षाकर्मी प्रशिक्षण -	1
7-	ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा	1
	योग	157

प्रभाग ने अपने द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तक समीक्षा कार्यशाला के अन्तर्गत 548 संभागियों को लाभान्वित किया। क्षेत्र में सेवारत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षकों के अभिनवन हेतु क्रमशः 54 व 6 शिविर आयोजित कर 2922 शिक्षकों को प्रशिक्षण का लाभ दिया। प्रभाग के तत्वाधान जिला शिक्षा अधिकारियों ने विभिन्न विषयों में 77 अल्पावधि प्रशिक्षण शिविर आयोजितकिये जिनमें 3080 शिक्षकों को लाभ मिला। इसके अलावा ग्रामीण प्रतिभा परीक्षा 83 में 8713 विद्यार्थियों का संभागीत्व रहा। इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर 811 छात्र-वृत्तियां प्रदान की गई। इस प्रकार प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में 6550 अध्यापक एवं संबंधित व्यक्ति तथा 8713 विद्यार्थियों का संभागीत्व प्राप्त हुआ।

प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण :-

सीधे प्रभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्नांकित है :-

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	संभागी संख्या
1	2	3	4
1-	संस्कृत शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशाला	6दिवसीय	10
2-	" : हिन्दी शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशाला	6 दिवसीय	40
3-	सामाजिक अध्ययन शिविर संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशाला	6 दिवसीय	10
4-	अविभक्त इकाई शिक्षण व्यवस्था के संबंध में राजसमन्द क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों का प्रशिक्षण	6 दिन	40

1	2	3	4
5-	उदयपुर नगर के अविभक्त इकाई अध्यापकों का प्रशिक्षण (भुआणा)	6 दिन	40
6-	सिलोंनिया (सिलोरा पं० सं०) के शिक्षा कर्मियों का प्रशिक्षण	28 दिन	30
7-	पंजाबी, गुजराती, संस्कृत, अंग्रेजी तथा उर्दू की पाठ्य-पुस्तकों की भावात्मक एकता के संदर्भ में समीक्षा कार्यगोष्ठी	6 दिन	20
8-	शिशु शिक्षा केन्द्र के पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	6 दिन	20
9-	प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के सेवारत प्रशिक्षण शिविर हेतु संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी (हिन्दी, सामाजिक ज्ञान, सामान्य विज्ञान एवं गणित विषय - 4 कार्यगोष्ठी)	6 दिन प्रति विषय	173
10-	परामर्शदाताओं की प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी	2 दिन	32
11-	शिविर निदेशकों की अभिस्थापन कार्यगोष्ठी	1 दिन	19
12-	विद्यालयोन्मुखी कार्यक्रम निर्माण कार्यगोष्ठी	8 दिन	9
13-	पूर्व प्राथमिक शिक्षा परिवीक्षण कार्यगोष्ठी	6 दिन	27
14-	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी कार्यगोष्ठी	3 दिन	14
15-	सामुदायिक समुत्थान प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी	10 दिन	50

1	2	3	4
16-	विशिष्ठ पूर्व प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की कार्यगोष्ठी	3 दिन	14
		योग संभागी संख्या	548

प्रभागीय तत्वावधान में क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का विवरण :-

क्र0स0	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम संख्या	संभागी संख्या
1-	सेवारत प्राथमिक विद्यालय शिक्षक 28 दिवसीय अभिनवन शिविर	54	2582
2-	ग्रीष्मकालीन उ0प्रा0वि0 शिक्षक 28 दिवसीय सामाजिक अध्ययन शिविर	1	50
3-	ग्रीष्मकालीन उ0प्रा0वि0 शिक्षक 28 दिवसीय संस्कृत शिविर	1	50
4-	ग्रीष्मकालीन उ0प्रा0वि0 शिक्षक 28 दिवसीय हिन्दी शिविर	4	240
5-	ग्रामीण प्रतिभा खोज परीक्षा 236 पंचायत समिति मुख्यालय पर	1	8713
6-	अल्पावधि प्रशिक्षण शिविर (विभिन्न जिलों में आयोजित)	77	3080
	योग	138	14715

प्रभागीय प्रकाशन :-

सत्र 83-84 में "" मानविकी एवं समाज विज्ञान "" प्रभाग के अन्तर्गत निम्नांकित प्रकाशन हुए :-

1- प्राथमिक शिक्षक संदर्शिका (मुद्रित)

2- " बालिका शिक्षा में पिछड़ापन "
एक सर्वेक्षण अध्ययन (चक्रांकित)

3- पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अन्तर्गत अध्यापकों के निर्देशन साहित्य

4- पूर्व प्राथमिक शिक्षा के अन्तर्गत बालकों के लिए निम्नांकित बाल साहित्य :-

1- आओ गीत गाएं
2- आओ कहानी कहें
3- आओ बात करें
4- आओ कुछ करें
5- कितना अच्छा है चन्दू
6- मेरा परिवार
7- नन्हे शिकारी
8- दिन से रात

प्रभाग द्वारा संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

सत्र 83-84 में प्रभाग ने निम्नांकित अन्य उल्लेखनीय कार्य किये :-

1- राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित अविभक्त इकाई से कक्षा 5 तक के नवीन पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन कर राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल को प्रेषित किया गया ।

2- नवीन पाठ्यक्रमानुसार हिन्दी विषय की पहली व दूसरी पुस्तकों के लेखन में प्रभाग ने योगदान दिया ।

3- नवीन पाठ्यक्रमानुसार " पर्यावरण अध्ययन ; " समाजोपयोगी उत्पादक कार्य एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति ; एवं " शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य " विषयों में अविभक्त इकाई कक्षा के लिए शिक्षक संदर्शिका तैयार कर मुद्रण हेतु राज्य पाठ्य-पुस्तक मंडल को प्रेषित की ।

4- कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु संस्थान स्तर पर विषय निर्धारण, अंकभार, कालांश एवं मूल्यांकन संबंधी निर्णय लिये गये तथा पाठ्यक्रम निमार्ण प्रक्रिया आरंभ हुई ।

5- सप्तम पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में " प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीनीकरण " पर स्पीच पेपर तैयार किया गया ।

6- स्वतंत्रता संग्राम संबंधी कक्षा 1 से 10 तक का पाठ्यक्रम निर्मित हुआ जिसे राज्य सरकार से अनुमोदन प्राप्त हुआ ।

7- " स्वतंत्रता संग्राम " विषयक अनुमोदित पाठ्यक्रमानुसार पाठ लिखे जाने हेतु निम्नांकित पूर्व तैयारियां की गई :-

1- शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के व्याख्याताओं के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जानकारी एकत्रित करने हेतु प्रश्नावली का विकास किया गया ।

2- स्वतंत्रता सैनानियों से संबंधित विषय वस्तु का संकलन प्रारंभ किया गया ।

8- सी०सी०आर०टी०, नई दिल्ली के " सांस्कृतिक प्रतिभा खोज " तथा " उदयपुर क्षेत्र की संस्कृति का गहन अध्ययन " कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान किया गया ।

9- प्रभाग की ओर से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित " भारतीय विद्यालयों में भाषा शिक्षण राष्ट्रीय विचार गोष्ठी में श्रीमती शकुंतला पंड्या ने भाग लिया । गोष्ठी में उभरे सुझावों के अनुसार पर संस्थान में " भाषा

प्रयोगशाला " तथा " स्तरानुसार शब्द कोष्ठ " निर्मितिकी दिशा में प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

10- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित " माध्यमिक स्तर पर जनसंख्या शिक्षा " कार्यगोष्ठी में इतिहास विषय में " जनसंख्या शिक्षा " संबंधी विचार समावेश करने हेतु कार्यगोष्ठी में योगदान दिया गया ।

11- संस्थान के जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गई अध्यापन अधिगम सामग्री की समीक्षा हेतु समीक्षा - उपकरण तैयार किया गया ।

विज्ञान एवं गणित प्रभाग

प्र भा ग - 2

संस्थान का " विज्ञान एवं गणित प्रभाग " भौतिक शास्त्र रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान एवं गणित विषयों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा, पाठ्यचर्या विकास, पाठ्य-पुस्तक एवं शिक्षक संदर्शिका लेखन, संदर्भ साहित्य निर्माण एवं शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य करता है। इसके साथ ही माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रभाग " राष्ट्रीय प्रतिभाखोज " कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं के लिए मार्ग-दर्शन शिविरों का आयोजन तथा इनकी वैज्ञानिक प्रतिभा के विकास हेतु जिला एवं राज्य बाल विज्ञान मेलों में राजस्थान के संभागियों के मार्गदर्शन हेतु व्यक्ति अभिस्थापन कार्यगोष्ठियां आयोजित कर मार्गदर्शन " देने का दायित्व वहन करता है।

सत्र 83-84 में प्रभाग ने 32 कार्यक्रम आयोजित कर 1613 संभागियों को प्रशिक्षण अभिस्थापन, मार्गदर्शन का लाभ पहुंचाया। प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का वर्गीकरण निम्न प्रकार से है :-

1-	प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम	7
2-	पाठ्यचर्या विकास कार्यगोष्ठियां	3
3-	अध्यापक-अधिगम सामग्री विकास कार्य-गोष्ठियां	5
4-	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रशिक्षण शिविर	12
5-	उ0प्रा0वि0 शिक्षक गणित एवं विज्ञान ग्रीष्मकालीन अभिनवन शिविर	4
6-	राज्य विज्ञान मेला	1
	योग	32 संभागी संख्या 1613

उपरोक्त कार्यक्रमों का नाम आदि विवरण निम्नांकित है :-

क्र0सं0	नाम कार्यक्रम	अवधि	संभागी संख्या
1-	प्रयोगशाला सहायक प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी	13 दिन	30
2-	आशुरचित उपकरण निर्माण कार्यगोष्ठी	6 दिन	11
3-	पर्यावरण व स्थानीय सामग्री पर आधारित विज्ञान शिक्षण (2)	6 दिन प्रति गोष्ठी	50
4-	विज्ञान तथा गणित संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी (2)	3 दिन प्रति गोष्ठी	100
5-	टेप स्लाइड पाठ निर्माण कार्यगोष्ठी	6 दिन	10
6-	राष्ट्रीय विज्ञान मेले से संबंधित कार्यगोष्ठी	3 दिन	12
7-	उच्च प्राथमिक कक्षाओं हेतु नवीन पाठ्यक्रम का निर्माण (3)	6 दिन प्रति गोष्ठी	27
8-	पर्यावरण अध्ययन संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यगोष्ठी	10 दिन	30
9-	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रशिक्षण शिविर (12)	14 दिन प्रति शिविर	750
10-	राज्य विज्ञान मेला	4 दिन	376
11-	उ0प्रा0शिक्षक गणित एवं विज्ञान ग्रीष्मकालीन अभिनव शिविर (4)	28 दिन प्रति शिविर	200
12-	प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रश्नकोष संदर्शिका निर्माण कार्यगोष्ठी (3)	10 दिन प्रति गोष्ठी	17
	संभागी संख्या		1613

प्रभागीय प्रकाशन :-

सत्र 83-84 में प्रभाग के अन्तर्गत निम्नांकित पुस्तिकाओं का प्रकाशन हुआ :-

1- आशुरचित उपकरण संदर्शिका

2- अनुसंधान प्रायोजना

विशेष उपलब्धियां :-

1- प्रभाग के अन्तर्गत आयोजित किये गये राष्ट्रीय प्रतिभाखोज प्रशिक्षण शिविरों में विशेष मार्गदर्शन प्राप्त कर विद्यार्थीगण राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा 83 में 747 छात्रवृत्तियों में से 110 छात्रवृत्तियां प्राप्त कर सकने में सफल हुए जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है ।

2- राष्ट्रीय विज्ञान मेला 83 (लखनऊ) में राजस्थान के प्रदर्शों ने राष्ट्रीय स्तर पर भारी प्रशंसा अर्जित की । सरदार शहर के छात्र संजय नाहटा द्वारा बनाये गये प्रदर्श " सोलर कार " ने एनसीईआरटी, नई दिल्ली की इस अवसर पर प्रकाशित पत्रिका के मुख पृष्ठ पर स्थान पाया ।

3- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज के परीक्षार्थियों के लाभार्थ मानसिक योग्यता प्रश्नकोष एवं भौतिक विज्ञान संदर्शिकाओं की पांडुलिपि तैयार कर ली गई है ।

प्रभाग द्वारा समय समय पर संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

1- कक्षा 3 एवं 4 की गणित की पाठ्य-पुस्तकें तथा कक्षा 3 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकें नवीन शिक्षा क्रम के आधार पर लिखी जाकर राज्य सरकार को प्रस्तुत की गई जिनका अनुमोदन प्राप्त हुआ ।

2- एनसीईआरटी नई दिल्ली के सहयोग से पर्यावरण अध्ययन संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित कर राज्य के विभिन्न जिलों

के 30 संभागियों को प्रशिक्षित किया गया । प्रशिक्षित व्यक्ति अपने जिलों में अन्य अध्यापकों को इस विधा से परिचित कराने का कार्य प्रारंभ कर चुके हैं ।

3- नेहरू विज्ञान केन्द्र बंबई के मार्गदर्शन में 8-8-83 को राज्य स्तरीय अखिल भारतीय छात्र विज्ञान सेमीनार का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान के 19 छात्रों ने भाग लिया । साहूनगर के राजेन्द्र गुप्ता प्रथम रहे ।

4- प्रभाग के मार्गदर्शन में सभी जिलों में जिला विज्ञान मेले आयोजित हुए ।

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Aministration
17-B,SriAurbindo Marg,NewDelhi-110016
DOC. No...1465...........
Date...31/8/84...........

मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग

प्र भा ग - 3

शैक्षिक कार्यक्रमों को मनोवैज्ञानिक आधार प्रदान करने हेतु संस्थान का मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग अपने कार्यक्रम आयोजित करता है । प्रभाग के उल्लेखनीय कार्यक्रमों में शैक्षिक मूल्यांकन निदान एवं उपचार के क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण तथा संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण, शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन, विकलांग बालकों की समन्वित शिक्षा योजना, शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों की आदर्श प्रश्न पत्र निर्माण एवं मूल्यांकन विधा में प्रशिक्षण, ग्रामीण प्रतिभा आकृति परीक्षा का आयोजन आदि कार्यक्रम है ।

सत्र 83-84 में प्रभाग ने 19 कार्यक्रम आयोजित कर 536 संभागियों को प्रशिक्षण अभिस्थापन एवं निर्देशन लाभ पहुंचाया । प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का वर्गीकरण निम्नांकित है :-

1-	प्रशिक्षण एवं अभिस्थापन कार्यक्रम	13	
2-	मूल्यांकन संबंधी कार्यगोष्ठियां	5	
3-	जिला निर्देशन सप्ताहोह एवं प्रदर्शनी	1	
	योग	19	संभागी संख्या 536

उपरोक्त कार्यक्रमों का नाम आदि विवरण इस प्रकार है :-

क्रमांक	नाम कार्यक्रम	अवधि	संभागी संख्या
1-	प्रवेशन प्रणाली के विद्यालयों के द्वितीय सिमेस्टर 83 के परीक्षा परिणामों का मूल्यांकन	2 दिवस	3
2-	विषय वार डिजाईन तथा प्रकरणानुसार अंकभार तैयार करने हेतु कार्यगोष्ठी	4 दिवस	38

1	2	3	4
3-	प्रश्न पत्र निर्माण कार्यगोष्ठी	7 दिवस	19
4-	नैदानिक प्रश्न पत्र प्रकाशनार्थ कार्यगोष्ठी	6 दिवस	23
5-	विद्यालयी पत्रिकाओं का मूल्यांकन	3 दिवस	4
6-	विकलांग स्वीकृत शिक्षा योजना संदर्भ अध्यापक अभिस्थापन (2)	6 दिवस प्रति कार्यक्रम	49
7-	कक्षा 1 से 8 तक परीक्षा व्यवस्था मूल्यांकन कार्यगोष्ठी	6 दिवस	41
8-	शाला परामर्शदाताओं की कार्यगोष्ठी	3 दिवस	6
9-	निर्देशन कार्यकर्त्ता अभिस्थापन (8 शिविर अजमेर, भीलवाडा, कोटा, जोधपुर, बीकानेर गंगानगर, डूंगरपुर, उदयपुर)	3 से 6 दिवसीय	242
10-	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारियों के लिए निर्देशन संबंधी प्रशिक्षण	3 दिन	33
11-	जिला निर्देशन समारोह एवं प्रदर्शनी	1 दिवस	78
		योग संभागी संख्या	536

प्रभागीय प्रकाशन :-

सत्र 83-84 में प्रभागीय प्रकाशन निम्नानुसार रहे:-

क्रम नाम प्रकाशन

1- मूल्यांकन संदर्शिका - मुद्रित

2- छात्रवृत्ति संदर्शिका - मुद्रित

3- आदर्श प्रश्न पत्र (शि प्र वि के द्वितीय वर्षीय छात्राध्यापकों के लाभार्थ) - मुद्रित

4- " समान परीक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत प्रश्न पत्रों में अंकभार निर्धारण - चक्रांकित

प्रभागीय अध्ययन:-

शिक्षा सचिव राजस्थान के निर्देश पर प्रभाग द्वारा " कक्षा" 1 से 8 तक की परीक्षा व्यवस्था " अध्ययन किया गया । प्रतिवेदन एंव सुझाव राज्य सरकार एंव शिक्षा निर्देशालय को प्रेषित किए गये ।

प्रभाग द्वारा संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

1- " मनोवैज्ञानिक आधार प्रभाग " को संस्थान के सभी प्रभागों के वार्षिक कार्यक्रम के मूल्यांकन का दायित्व सौंपा गया है, जिसे प्रभाग समय पर संपादित करता है ।

2- प्रभाग के प्रयासों के फलस्वरूप ग्रामीण प्रतिभावान खोज परीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिकाधिक छात्रों का संभागीत्व प्राप्त होने लगा है । परीक्षा 83 में परीक्षार्थियों की संख्या 8713 रही ।

3- प्रभाग के अन्तर्गत " विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा " योजना के अन्तर्गत प्रभाग के प्रयत्नों के परिणामस्वरूप लाभान्वित छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है । सत्र 83-84 में यह संख्या 433 रही ।

4- सप्तम पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में "" 10 + 2 शिक्षा योजना में माध्यमिक शिक्षा का स्वरूप "" एप्रोच पेपर तैयार किया गया ।

5- शिक्षा सचिव द्वारा दिये गये विषय " कक्षा 1 से 8 तक परीक्षा व्यवस्था में सुधार " पर अध्ययन पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया ।

---- oooo ----

शिक्षण प्रशिक्षण एवं पत्राचार

प्रभाग - 4

" शिक्षण प्रशिक्षण एवं पत्राचार " प्रभाग प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में सेवारत अप्रशिक्षित अध्यापक । अध्यापिकाओं के प्रशिक्षण की व्यवस्था करता है, तथा संस्थागत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों के द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षण की व्यवस्था करता है ।

अपने स्थापना काल से अब तक प्रभाग द्वारा 32055 प्रशिक्षणार्थी नियमित द्वितीय वर्ष पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकृत किये जा चुके हैं जिनमें से 26705 प्रशिक्षणार्थी परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए ।

सत्र 83-84 में 2438 प्रशिक्षणार्थी द्वितीय वर्ष नियमित कार्यक्रम में पंजीकृत हुए जिसमें से 2300 प्रशिक्षणार्थी उत्तीर्ण हुए ।

15 जुलाई 83 से 26 सितंबर 83, तथा 17 जनवरी 1984 से 28 मार्च 84 तक प्रभाग ने दो व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम आयोजित कर 43 प्रशिक्षणार्थियों से संपर्क किया व निर्धारित कार्य कराये ।

पूर्व प्राथमिक प्रशिक्षण प्राप्त 17 प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर द्वितीय वर्ष की परीक्षा में सम्मलित किया गया ।

माह अप्रैल 83 में विभिन्न विषयों के लगभग 60,000 पाठों के उत्तर जांचं हेतु मूल्यांकन कर्त्ताओं को प्रेषित किये गये । जांच समाप्ति पर प्रशिक्षणार्थियों के अंतरांकन तैयार कर पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, राजस्थान बीकानेर को भिजवाये गये ।

राज्य सरकार के आदेशानुसार, अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रथम व द्वितीय वर्ष पत्राचार के माध्यम से प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने हेतु एक विस्तृत योजना राज्य सरकार को प्रेषित की गई जिसके अनुसार 7000 अध्यापकों को प्रशिक्षित किये जाने का प्रस्ताव है ।

राज्य में अप्रशिक्षित अध्यापकों की संख्या ज्ञात करने के लिए प्रभाग द्वारा एक सर्वेक्षण किया जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य अभी चल रहा है किन्तु सर्वेक्षण के प्रारंभिक अनुमान से राज्य की सभी पंचायत समितियों में मिलाकर लगभग 3000 शिक्षक अप्रशिक्षित हैं। सर्वेक्षण पूर्ण होने पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रभाग इन अप्रशिक्षित अध्यापकों के प्रशिक्षण का कार्य आरंभ कर देगा।

---- 0000 ----

शैक्षिक प्रशासन, परिवीक्षण एवं आयोजना प्रभाग

प्रभाग - 5

संस्थान के अन्तर्गत " शैक्षिक प्रशासन, परिवीक्षण एवं आयोजना प्रभाग " जिला शिक्षा अधिकारी, वरिष्ठ उप जिला तथा उप जिला शिक्षा अधिकारी, अवर उप जिला शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय के प्रशिक्षण अभिस्थापन के महत्वपूर्ण दायित्व वहन करने के अतिरिक्त राज्य सरकार एवं शिक्षा निदेशालय को शैक्षिक आयोजना निर्माण में सक्रिय अकादमिक सहयोग देता है । इसके साथ ही प्रभाग शैक्षिक व प्रशासनिक समस्याओं पर शोध अध्ययन किये जाने का कार्य भी संभालता है । जिला शोध वाकूपीठों के माध्यम से क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के शोध आवेदन स्वीकृत कर प्रभाग शोधकर्त्ताओं को आंशिक आर्थिक अनुदान भी स्वीकृत करता है ।

सत्र 83-84 में 9 विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 334 संभागियों को प्रशिक्षण का लाभ पंहुचाया । इन कार्यक्रमों का नाम आदि विवरण निम्नांकित है :-

क्र०सं०	कार्यक्रम का नाम	अवधि	संभागी संख्या
1-	प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय अभिस्थापन कार्यक्रम (6)	15 दिवस प्रति कार्यक्रम	272
2-	वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी अभिस्थापन कार्यक्रम (1)	15 दिवस	28
3-	प्रधानाध्यापक मा०वि० । उ०मा०वि० वाकूपीठ अध्यक्ष।सचिव कार्यशाला	3 दिन	34
		योग	334

अन्य अभिकरणों के कार्यक्रमों में सहयोग :-

प्रभाग ने अपने कार्यक्रमों को सुचारू रूप से आयोजित करने के साथ ही माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, यूनीसेफ, तथा एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा संस्थान में आयोजित निम्नांकित कार्यक्रमों में सहयोग किया । इनके आयोजन की जिम्मेदारी प्रभाग को सौंपी गई थी, यथा -

क्र0स0 नाम कार्यक्रम	नाम अभिकरण	संभागी संख्या
1- समाजोपयोगी उत्पादक कार्य पाठ्यक्रम निर्धारण	मा0शि0 बोर्ड राजस्थान, अजमेर	40
2- महिला विकास में अनौपचारिक शिक्षा का योगदान	विकास एवं पंचायत राज विभाग, राजस्थान तथा यूनीसेफ	30
3- अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान निदेशकों की वार्षिक बैठक	एनसीईआरटी नई दिल्ली	30

प्रभागीय " अध्ययन " एवं प्रकाशन :-

प्रभाग के अन्तर्गत निम्नांकित प्रकाशन एवं अध्ययन प्रतिवेदन उपलब्ध है :-

1-	प्रधानाध्यापक वाक्पीठ कार्य निष्पादन -	एक समीक्षा
2-	प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय अभिस्थापन कार्यक्रम-	समेकित प्रतिवेदन
3-	अप्रशिक्षित अध्यापकों का सर्वेक्षण-	सर्वेक्षण अध्ययन
4-	जिला शिक्षा अधिकारी स्थानान्तरण पदोन्नति सेवा निवृति की आवृति	एक अध्ययन
5-	अनुसूचित जाति जनजाति में शिक्षा (81-82) -	सर्वेक्षण अध्ययन
6-	अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता -	एक अध्ययन

प्रभाग द्वारा संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

1- नैशनल कमीशन आन टीचैर्स के संबंध में प्रधान मंत्री द्वारा अभिशंसित बिन्दु Adjusting Schools with Local Factors पर वांछित सूचनाएँ तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत किए ।

2- सातवीं पंचवर्षीय योजना में एसआईईटी टी के सुदृढीकरण हेतु प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रेषित किए ।

3- पैम प्रायोजना के अन्तर्गत - तीन मॉड्यूल्स के संबंध में 21 कैप्सूल के मुद्रण कार्य में सहयोग दिया ।

4- यूनीसेफ प्रायोजना 2 और 3 के संबंध में तीन - शोध अध्ययनों का आकल्प निर्माण कार्य में सहयोग दिया ।

5- शिक्षा सचिवों की बैठक में लिए गए निर्णयों की क्रियान्विति के संबंध में नवाचारों का संकलन कर राज्य सरकार को प्रेषण में सहयोग दिया ।

6- क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों के शोध आकल्पों को स्वीकृति एवं अनुदान प्रदान किया ।

7- विभाग में कार्यरत अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्राचार द्वारा प्रशिक्षण हेतु योजना तैयार कर राज्य सरकार को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की गई ।

8- कामन वैल्थ कंट्रीज के शिक्षाविदों एवं शिक्षा प्रशासकों से संदर्भित दिल्ली में आयोजित सम्मेलन हेतु "Education of the Future - Management Challenge विषयक नोट तैयार कर भिजवाया ।

9- शिक्षा अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण संबंधी पाठ्यक्रम का निर्धारण किया गया ।

10- प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का निर्धारण कर राज्य सरकार को प्रस्तुत किया ।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग - 6

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग वर्तमान में जयपुर में कार्यरत है । इसकी एक इकाई श्रव्य दृश्य शिक्षा के नाम से अजमेर में कार्यरत है । संस्थान में एक "शैक्षिक प्रौद्योगिकी अनुभाग" भी है जो संस्थान के "मानविकी एवं समाज विज्ञान" प्रभाग के अन्तर्गत कार्य करते हुए जयपुर व अजमेर के प्रभाग तथा इकाई से संस्थान का तालमेल बनाये रखता है तथा संस्थान के अन्य प्रभागों से भी सहयोग करता है ।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग ने सत्र 83-84 में 16 कार्यक्रम आयोजित कर 457 संभागियों को लाभ पहुंचाया । प्रभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में रेडियो आलेख लेखन प्रशिक्षण, दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक प्रशिक्षण शिविर हेतु संदर्भ्य व्यक्ति प्रशिक्षण, शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी अभिस्थापन, टेप्स के लिए सामग्री तैयार करने हेतु कार्य-गोष्ठी तथा दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक प्रशिक्षण शिविर उल्लेखनीय है । प्रभाग ने निम्नांकित प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए :-

1-	प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम	3
2-	टेप्स हेतु सामग्री तैयार करने । हेतु कार्य गोष्ठी	
3-	विकास अधिकारियों के माध्यम से दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक प्रशिक्षण शिविर	12
	योग -	16 संभागी संख्या = 457

प्रभाग द्वारा आयोजित उपरोक्त कार्यक्रमों का विवरण

निम्नांकित है :-

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	संभागी सं.
1)	रेडियो आलेख लेखन प्रशिक्षण शिविर	10 दिन	9
2)	दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापकों के प्रशिक्षण शिविरों हेतु संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	3 दिन	9
3)	शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी अभिस्थापन	2 दिन	22
4)	टेप्स के लिए सामग्री तैयार करने हेतु कार्यगोष्ठी	5 दिन	4
5)	विकास अधिकारियों के माध्यम से दूरदर्शन प्रदर्शक अध्यापक प्रशिक्षण शिविर (12) प्रति शिविर	2 दिन	423

(पिपलू, मारोठ, ढाणी जमात निवाई, सवाई माधोपुर, जाहोता, श्री नगर (अजमेर), खोतोड़ी, जमुआ रायगढ़, गोबिन्द गढ़, दूदू, कानोता (बस्सी) महरोली (श्री माधोपुर)

योग संभागी सं. 457

प्रभाग द्वारा किया जा रहा "अध्ययन" :-

प्रभाग द्वारा "विद्यालय प्रसारण की सक्षमता" का अध्ययन किया जा रहा है। अध्ययन वर्तमान में दत्त संकलन के पद तक पहुंचा है। अध्ययन पूर्ण होने पर प्रतिवेदन प्रकाशित किया जायेगा।

प्रभाग द्वारा समय समय पर संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

1) सातवीं पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की योजना का निर्माण किया गया।

2§ "दी एक्सपेन्डेड एजूकेशनल टेक्नोलोजी" कार्यक्रम के अन्तर्गत शैक्षिक प्रौद्योगिकी के विस्तार हेतु विस्तृत योजना का निर्माण कर राज्य सरकार को प्रेषित की गई । राज्य सरकार ने इसे अनुमोदित कर केन्द्र सरकार को प्रेषित किया है । राज्य सरकार द्वारा योजना का ज्यों का त्यों अनुमोदन अपने आप में एक उपलब्धि है ।

3§ भाषा परियोजना के अन्तर्गत वितरीत रेडियो सैट्स की मरम्मत की गई ।

4§ संस्थान स्थित "शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ" ने संस्थान के प्रभाग-2 के सहयोग से "ब्राह्मांड" जैसा हमने पाया" टेप स्लाईड कार्यक्रम तैयार किया है जिनकी अधिक संख्या में प्रतिलिपियां तैयार कर शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों को वितरित करने की कार्यवाही की जा रही है ।

इसके अतिरिक्त अनुभाग ने समय-समय पर आयोजित 5 कार्यक्रमों में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय, अधिकारी प्रशिक्षण केन्द्र, रेल्वे प्रशिक्षण केन्द्र के 200 प्रशिक्षणार्थियों एवं स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को श्रव्य दृश्य उपकरणों से परिचय का लाभ प्रदान किया ।

5§ संस्थान स्थित "अनुभाग" ने राष्ट्रीय सामुदायिक समूह गायन" कार्यक्रम में गायन हेतु गीतों को टेप में संकलित कर सहयोग प्रदान किया । यह कार्यक्रम बाल दिवस 83 के अवसर पर माननीया प्रधानमंत्री महोदया के आव्हान पर, राज्य सरकार द्वारा जयपुर में आयोजित किया गया था । इस अवसर पर राज्य पाल महोदय ने 74 बालकों को सम्मानार्थ पुरूस्कार भी प्रदान किया

श्रव्य - दृश्य शिक्षा

(अ ज मे र)

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान , उदयपुर के अन्तर्गत जयपुर में कार्यरत " शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग " की " श्रव्य दृश्य शिक्षा " इकाई अजमेर में क्रियाशील है । श्रव्य दृश्य शिक्षा इकाई के मुख्य कार्य अध्यापकों को प्रचालक प्रशिक्षण, न्यूनतम सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रक्षेपणीय सहायक शिक्षण सामग्री का निर्माण करना है । इसके अतिरिक्त, इकाई चलचित्रालय, चलचित्र प्रदर्शन, उपकरणों की मरम्मत एवं शैक्षिक प्रदर्शनी आयोजन की व्यवस्था करता है ।

अपने उद्देश्यों के अनुरूप सत्र 83-84 में : अनुभाग ने अजमेर, भीलवाड़ा, पाली, जोधपुर, उदयपुर में 6 प्रचालक प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर 75 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया, तथा 3 न्यूनतम मूल्य सहायक शिक्षण सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी आयोजित कर 66 संभागियों को प्रशिक्षण का लाभ पहुंचाया । प्रक्षेपणीय सहायक शिक्षण सामग्री विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य विज्ञान, भूगोल, नागरिक शास्त्र एवं गणित विषयों में फिल्म स्ट्रिप्स व कमेन्ट्री तैयार की ।

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त इकाई ने उपकरणों की मरम्मत, प्रदर्शनी के योग्य मॉडल चार्ट आदि सामग्री बनाने, पाठ्य-पुस्तकों में संदर्भानुसार चित्र व स्केच तैयार करने तथा फिल्म शो आयोजन आदि कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

भाषा अध्ययन प्रभाग

प्रभाग - 7

संस्थान के अन्तर्गत भाषा अध्ययन प्रभाग पूर्व में जयपुर में कार्यरत "राज्य भाषायी अध्ययन संस्थान" का नवीन समायोजित स्वरूप है। सन् 1983 में जयपुर से उदयपुर संस्थान में स्थानान्तरित होने के पश्चात् प्रभाग के समक्ष अंग्रेजी पाठ्य-पुस्तकों, कार्यपुस्तिकाओं एवं शिक्षक संदर्शिकाओं के "राज्य भाषा अध्ययन संस्थान" द्वारा अधूरे छोड़े गये कार्य को पूर्ण करने की बहुत बड़ी चुनौती थी। राज्य भाषा अध्ययन संस्थान कक्षा 6 व 7 की पाठ्य-पुस्तक तथा कक्षा 6 व 7 की कार्य पुस्तक तथा कक्षा 6 की शिक्षक संदर्शिका तैयार कर चुका था। अब प्रभाग को कक्षा 7 व 8 के लिए इस अधूरे कार्य को पुरा करना था। प्रभाग ने इस चुनौती को बखूबी अंजाम दिया। इस कार्य को पूरा करने के साथ साथ प्रभाग ने उच्च प्राथमिक अंग्रेजी शिक्षकों के ग्रीष्म-कालीन अभिस्थापन शिविर भी हमेशा की तरह जारी रखे।

प्रभाग ने सत्र 83-84 में 37 विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर 890 संभागियों को लाभ पहुंचाया एवं विभिन्न कार्य पूर्ण किये। प्रभाग ने निम्नांकित प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए।

1-	विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम -	2
2-	पाठ्यचर्या विकास कार्यगोष्ठी-	2
3-	अध्यापन अधिगम सामग्री विकास कार्यगोष्ठी-	11
4-	उर्दू पाठ्य-पुस्तक एवं पाठ्यक्रम समीक्षा-	4
5-	उ0प्रा0वि0 अंग्रेजी शिक्षक अभिस्थापन शिविर (ग्रीष्मकालीन - 42 दिवसीय)	4
6-	शिविर कार्य योजना समीक्षा कार्यगोष्ठी-	1
7-	पाठ परीक्षण -	1
8-	प्रभागीय मार्गदर्शन में क्षैत्रीय अधिकारियों द्वारा आयोजित उ0प्रा0वि0 अंग्रेजी शिक्षक अल्पावधि अभिनवन	16
	योग	37

संभागी संख्या 922

उपरोक्त आयोजित कार्यक्रमों के नाम आदि विवरण निम्न प्रकार हैं :-

1	2	3	4
1-	ग्रीष्मकालीन शिविरकी दैनिक कार्ययोजना की समीक्षा हेतु कार्यगोष्ठी ।	4 दिन	3
2-	ग्रीष्मकालीन शिविर संदर्भ व्यक्ति अभिस्थापन कार्यगोष्ठी	6 दिन	15
3-	कक्षा 7 की अंग्रेजी पाठ्य-पुस्तक की संदर्शिका लेखन कार्यगोष्ठी	14 दिन	3
4-	कक्षा 8 की अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक के पाठों का परीक्षण	1 दिन	--
5-	शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के द्वितीय वर्ष अंग्रेजी का द्वितीय तृतीय तथा चौथे पत्र के पाठ्यक्रम निर्धारण कार्यगोष्ठी ।	4 दिन	12
6-	कक्षा 7 अंग्रेजी शिक्षक संदर्शिका लेखन कार्यगोष्ठी (2)	12 दिन	8
7-	कक्षा 8 अंग्रेजी शिक्षक पाठ्यपुस्तक लेखन कार्यगोष्ठी (4)	34 दिन	35
8-	कक्षा 8 अंग्रेजी कार्य पुस्तक लेखन कार्यगोष्ठी(3)	20 दिन	19
9-	कक्षा 8 अंग्रेजी शिक्षक संदर्शिका कार्यगोष्ठी(2)	15 दिन	14
10-	शिक्षक प्रशि0विधा0अंग्रेजी व्याख्याता अभिनवन कार्यक्रम	12 दिन	17
11-	कक्षा 6 से 8 अंग्रेजी पाठ्यक्रम कार्यगोष्ठी	5 दिन	9
12-	उ0प्रा0वि0अंग्रेजी शिक्षक ग्रीष्मकालीन 42 दिवसीय अभिस्थापन शिविर (4)	--	200

13- उर्दू पाठ्यक्रम एवं पाठ्य-पुस्तक समीक्षा कार्य- गोष्ठी (4)	4 दिन प्रति गोष्ठी	29
14- प्रभागीय मार्ग दर्शन में क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आयोजित अल्पावधि अभिनवन शिविर (16)	--	558
	योग	922

प्रभागीय मार्गदर्शन में विभिन्न जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारियों ने उच्च प्राथमिक अंग्रेजी शिक्षकों के लिए सत्र 83-84 में निम्नांकित अल्पावधि (10 दिवसीय) अभिनवन शिविर आयोजित किए जिनसे 558 शिक्षक लाभान्वित हुए, यथा -

क्र०स०	नाम जिला व स्थान	अवधि
1-	डूंगरा (भीलवाड़ा)	2 से 11 मई 83
2-	जहाज पुर (भीलवाड़ा)	29 से 7 अग० 83
3-	बिलाड़ा (जोधपुर)	12 से 21 सितं० 83
4-	जयपुर(जयपुर क्षात्रा)	12 से 21 सितं० 83
5-	शाहपुरा (जयपुर)	19 से 28 सितं 83
6-	आसपुर (डूंगरपुर)	4 से 13 अक्टू० 83
7-	वल्लभनगर (उदयपुर)	10 से 19 नव० 83
8-	सूरतगढ (श्रीगंगानगर)	10 से 19 नव० 83
9-	गंगापुर (भीलवाड़ा)	21 से 30 नव० 83
10-	पिपराली (सीकर)	22 नव०से 1 दि० 83
11-	रेलमगरा (उदयपुर)	24 नव० से 3 दिस० 83
12-	डूंडलोद मंडी (झुंझुनूं)	11 से 20 जन० 84
13-	शाहपुरा (जयपुर)	16 से 23 जन० 84

14- बारां (कोटा)	19 से 28 जन० 84
15- निंबाहेड़ा (चितौड़गढ़)	5 से 14 मार्च 84
16- परतापुर (बांसवाड़ा)	12 से 15 मार्च 84

संभागीय संस्था 558

प्रभागीय प्रकाशन :-

सत्र 83-84 में प्रभागीय प्रकाशन निम्नांकित रहे :-

1- कक्षा 7 (अंग्रेजी) शिक्षक संदर्शिका
2- कक्षा 8 (अंग्रेजी) पाठ्य-पुस्तक
3- शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के द्वितीय वर्ष अंग्रेजी का द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ पत्र का पाठ्यक्रम ।

कक्षा 7 की शिक्षक संदर्शिका एवं कक्षा 8 की पाठ्य-पुस्तक मुद्रण हेतु राजस्थान पाठ्य-पुस्तक मंडल को प्रेषित कर दी गई है ।

प्रभाग द्वारा संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-

1- शिक्षा सचिव राजस्थान सरकार जयपुर द्वारा दिये गये विषय " नामांकन अभियान की प्रभावशीलता " पर अनुसंधान अध्ययन पूर्ण कर प्रतिवेदन सचिव महोदय को प्रेषित किया गया ।

2- सप्तम पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में राजस्थान में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा अंग्रेजी शिक्षकों के प्रशिक्षण की कार्य योजना तैयार की गई ।

3- प्रभाग का वार्षिक प्रतिवेदन केन्द्रीय अंग्रेजी तथा विदेशी भाषा संस्थान, हैदराबाद को प्रेषित किया गया ।

4- अंग्रेजी भाषा अध्यापक के स्तर सुधार हेतु विशेष कार्ययोजना शिक्षा सचिव तथा निदेशक प्राथ० एवं माध्य० शिक्षा राजस्थान को प्रेषित किया गया ।

5- ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों में निम्नांकित बातों पर दी गई:-

1- The use of Dictation.
2- How to make substitution Tables.
3- Basic Dialogues.
4- Drills and how to make them interesting.

6- शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग, जयपुर की वार्षिक कार्यक्रम संबंधी विषय समिति (अंग्रेजी) की बैठक में प्रभाग की ओर से अनुसंधान अधिकारी अशोक कुमार माथुर ने भाग लिया ।

7- जिला संदर्भ केन्द्रों की स्थापना हेतु कार्ययोजना तैयार कर राज्य सरकार को प्रेषित की गई ।

8- कक्षा 1 से 8 तक के उर्दू पाठ्यक्रम की समीक्षा कर राज्य सरकार को प्रस्तुत की ।

9- कक्षा 1 से 5 तक की उर्दू पाठ्य-पुस्तक की समीक्षा राज्य सरकार को प्रस्तुत की ।

10- उर्दू शिक्षकों के लिए सेवारत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्माण किया गया ।

11- राजस्थान पाठ्य-पुस्तक मंडल की ओर से प्रभाग को महाराष्ट्र पाठ्य-पुस्तक मंडल तथा उत्तर प्रदेश राज्य की 8 उर्दू पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा का कार्य सौंपा गया जिसे पूर्ण किया गया ।

अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग

प्र भा ग - 8

संस्थान के अन्तर्गत अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग राज्य में संचालित अनौपचारिकशिक्षा कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या विकास, अधिगम सामग्री विकास अनुदेशक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण तथा आयोजना का दायित्व संभालता है। इसके साथ ही यह प्रभाग " शिक्षक प्रशिक्षण " एवं यूनीसेफ प्रायोजना सं 5 (कैम)" प्राथमिक शिक्षा में व्यापक उपागम " के भी कार्यक्रमों का दायित्व भी संभाल रहा है।

वर्ष 83-84 में अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग ने 25 कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 422 संभागियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में निम्नांकित प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हुए :-

1-	प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम -	8
2-	पाठ्यचर्या विकास कार्यगोष्ठी -	6
3-	अध्यापक अधिगम सामग्री विकास कार्यगोष्ठी-	8
4-	उच्च अधिकारी अभिस्थापन कार्यक्रम -	2
5-	राज्य स्तरीय बैठक -	1
	योग	25

उपरोक्त आयोजित कार्यक्रमों के नाम संभागी संख्या आदि विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र0सं0	कार्यक्रम का नाम	अवधि	संभागी संख्या
1	2	3	4
1-	उ0प्रा0स्तरोन्मुख अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रम पर विचारार्थ गोष्ठी	3 दिन (5-4-83से7-4-83)	19
2-	पूर्व माध्य0स्तर के लिए अधिगम सामग्री तैयार करना	6 दिन (12-4-83 से 17-4-83)	5
3-	अनौपचारिक शिक्षा के द्वितीय पाठ्य-क्रम निर्माण कार्यगोष्ठी	2 दिन (7-5-83 से 8-5-83)	12
4-	अधिगम प्रसंगों का प्रक्रमण	8 दिन (16-5-83 से 23-5-83)	38
5-	अधिगम प्रसंग निर्माण प्रशिक्षण गोष्ठी	5 दिन (7-6-83 से 11-6-83)	20
6-	अनौपचारिक शिक्षा के संदर्भ में शिक्षण सामग्री तैयार करने हेतु कार्यकारी दल की बैठक ।	10 दिन (4-6-83 से 13-6-83)	3
7-	अधिगम प्रसंगों के प्रक्रमण संबंधी कार्य-गोष्ठी	8 दिन (21-6-83 से 28-6-83)	11
8-	अनौपचारिक शिक्षा में श्रव्य दृश्य शिक्षा कार्यक्रमों के आयोजन पर कार्यगोष्ठी	3 दिन (22-6-83 से 24-6-83)	8
9-	अनौप0 शिक्षा कार्यक्रम के अनुदेशक प्रशिक्षण मंजूषा निर्माण हेतु कार्यगोष्ठी	5 दिन (4-7-83 से 8-7-83)	13
10-	शिक्षा प्रसार अधिकारियों की प्रशिक्षण गोष्ठी	2 दिन (3-8-83 से 4-8-83)	38

1	2	3	4
11-	अनौ० शिक्षा की प्रचलित पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा एवं प्रेस प्रति तैयार करने हेतु कार्यगोष्ठी।	5 दिन (8-8-83 से 12-8-83)	18
12-	अनौ०शिक्षा के अप्रशिक्षित परिवीक्षाण अधिकारी प्रशिक्षाण कार्यगोष्ठी	6 दिन (12-9-83 से 17-9-83)	20
13-	राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक	2 दिन (4-10-83 से 5-10-83) (तीन मॉड्यूल्स पर विचार विमर्श)	8
14-	अधिगम प्रसंगों के मूल्यांकन सम्बन्धी कार्यगोष्ठी	2 दिन (4-10-83 से 5-10-83)	3
15-	शिक्षक प्रशिक्षाण विद्यालय के प्रधानाचार्यों की कार्यगोष्ठी	3 दिन (19-9-83 से 21-9-83)	29
16-	वरिष्ठ उप जिला शिक्षाधिकारी अभिनवन प्रशिक्षाण संगोष्ठी	2 दिन (18-12-83 से 19-12-83)	50
17-	जनपद बालकों के लिए अधिगम	5 दिन (25-10-83 से 29-10-83)	29
18-	अधिगम प्रसंगों के प्रक्रमण संबंधी कार्यगोष्ठी	8 दिन (23-11-83 से 30-11-83)	30
19-	माइक्रोटीचिंग कार्यगोष्ठी	6 दिन (26-12-83 से 31-12-83)	23
20-	माइक्रोटीचिंग कार्यगोष्ठी	6 दिन (13-2-84 से 18-2-84)	6

1	2	3	4
21-	अनौपचारिक शिक्षा अप्रशिक्षित परिवीक्षक कार्यगोष्ठी	(27-2-84 से 31-3-84)	24
22-	अग्रिम प्रसंगों के निर्माण सम्बन्धी कार्यगोष्ठी	6 दिन (27-2-84से 3-3-84)	15
		योग	422

प्रभागीय तत्वावधान में क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम:-

प्रभागीय मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रायोजना अधिकारियों ने विभिन्न जिलों में अप्रशिक्षित अनुदेशकों के प्रशिक्षण हेतु सत्र 83-84 में 91 शिविर आयोजित किये जिनके द्वारा 4550 अनुदेशकों को प्रशिक्षण का लाभ मिला । प्रति शिविर 4000 /- की राशि संस्थान द्वारा स्वीकृत की गई जिससे रू० 3,64,000 की राशि का उपयोग हुआ । विभिन्न जिले, जहां शिविर आयोजित किए , निम्नांकित है:-

क्र०सं०	जिला	शिविर संख्या
1-	भरतपुर	2
2-	करौली (सवाई माधापुर)	4
3-	कोटा	5
4-	बूंदी	3
5-	झालावाड़	3
6-	जयपुर प्रथम	4
7-	झुंझुंनू	2
8-	अजमेर	4
9-	टोंक	2
10-	सीकर	2

क्र०सं०	जिला	शिविर संख्या
11-	उदयपुर	4
12	भीलवाड़ा	5
13-	चितौड़गढ	3
14-	डूंगरपुर	4
15-	बांसवाड़ा	4
16-	जोधपुर	5
17-	सिरोही	3
18-	पाली	3
19-	बाड़मेर	4
20-	जालौर	3
21-	बीकानेर	4
22-	चूरू	3
23-	श्री गंगानगर	3
24-	अलवर	4
25-	नागौर	3
26-	जैसलमेर	3
27-	धौलपुर	2
	योग 91	संभागी संख्या- 4550

प्रमाणीय प्रकाशन:-

सत्र 83-84 में प्रभाग के अन्तर्गत निम्नांकित प्रकाशन हुए:-

क्र०सं० नाम प्रकाशन

1- राजस्थान में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम एक दृष्टि में ।

2- फोल्डरी

क्र०सं० नाम प्रकाशन

3- अनुदेशक प्रशिक्षण मंजूषा ।

4- अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रम द्वितीय चरण

5- ज्ञान दीपिका

हिन्दी पुस्तक प्रथम भाग

--- " --- द्वितीय भाग

6- गणित पुस्तक प्रथम भाग

---"--- द्वितीय भाग

7- मांड्यूल्स तीन (21 कैप्सूल)

- घर की सफाई ।

- बच्चों के सामान्य रोग ।

- भूमि को उपजाऊ कैसे बनावें ।

<u>प्रभाग द्वारा संपादित अन्य उल्लेखनीय कार्य :-</u>

1 सेमिनार रीडिंग प्रतियोगिता के अन्तर्गत राज्य स्तर पर चयनित 4 निबंध एनसीईआरटी नई दिल्ली को अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु भेजे गए । जिनमें श्री नन्द किशोर श्री वास्तव , एवं जगदीश सिंह व्याख्याता शिप्रवि, गढी के निबंध चयन किए गए ।

2- शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के लिए सामुदायिक सर्वेक्षण प्रपत्र तैयार किया गया । (माह अगस्त 1983)

3- विश्वयाध्यापक परिषद के अन्तर्गत अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक सम्मेलन के अन्तर्गत विहार में इण्डोनेशिया के प्रतिनिधि उदयपुर आगमन पर संस्थान में आना हुआ । (30-9-83)

इन प्रतिनिधियों को अनौपचारिक शिक्षा के पाठ्यक्रम,केन्द्रों के संचालन एवं अन्य जानकारियाँ दी गई । प्रभाग द्वारा तैयार किया गया साहित्य उपलब्ध कराया गया ।

4- त्रिलोनिया शिक्षा कर्मी योजना के आयोजन की व्यवस्था प्रभाग द्वारा की गई। (15जनवरी 84 से 13 फरवरी 84)

श्री जगदीश नारायण, उप निदेशक अनौपचारिक शिक्षा श्री राधा मोहन पुरोहित,श्रीशरदचन्द्र पुरोहित, श्री बाल मुकुन्द सनाढ्य व अन्य अधिकारियों ने वार्तायें दी एवं व्यावहारिक कार्य किया।

5- भीलवाड़ा जिले की नामांक प्रगति समीक्षा की गई -

(9 से 11 फरवरी 1984)

6- कन्या प्राथमिक विद्यालय भोपालपुरा , कन्या प्राथमिक विद्यालय काछोला, बिगोद , प्राथमिक विद्यालय माण्डलगढ का अवलोकन किया जाकर मार्गदर्शन दिया गया।

7- शिक्षा सचिव, राजस्थान जयपुर के पत्र क्रमांक पं08।2अ शिक्षा। ग्रुप -1 । 83 दिनांक 18-10-83 के बिन्दु संख्या 21 कक्षा -8 की परीक्षा प्रणाली में सुधार लाने के सम्बन्ध में जिला शिक्षा अधिकारी भीलवाड़ा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शाहपुरा , उप जिला शिक्षा अधिकारी टोंक , प्रधानाध्यापक , रा0उ0मा0वि0 केकड़ी से विचार विमर्श किया गया तथा संस्थान के पास प्रेषित किया गया।

8- शिक्षण सामग्री की सूची तैयार की गई।

9- समस्त इकाईयों के शिक्षण हेतु संदर्भित सहायक सामग्री तैयार की गई।

विशेष उपलब्धियां एवं टिप्पणी:-

1- प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण द्वितीय वर्ष की पाठ्यचर्या राज्य सरकार से स्वीकृत करा कर पूरे राज्य में लागू की गई।

2- तीन माड्यूल्स प्रकाशित किये गए।

3- प्रत्येक प्रशिक्षण विद्यालय के समीप अधिगम केन्द्र स्थापना हेतु सर्वेक्षण कराया गया। इस प्रकार प्रभाग अपने सभी दायित्वों का निर्वाहन भली भांति कर रहा है।

विशेष परिशिष्ठ

जनसंख्या शिक्षा

जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न होने वाली विविध समस्याओं के प्रति भावी पीढ़ी को जागरूक बनाने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर " जन संख्या शिक्षा प्रायोजना संचालित है । यह प्रायोजना राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के मार्गदर्शन में संचालित एवं यू०एन०एफ०पी०ए० द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त प्रायोजना है । अक्टूबर 1981 में राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर में, राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना के साथ राजस्थान में इस प्रायोजना का प्रारंभ हुआ । संस्थान प्राथ० एवं माध्य० शिक्षा (औपचारिक एवं अनौपचारिक) के सभी स्तरों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण, तथा पाठ्यक्रम पाठ्यसामग्री, शिक्षक संदर्शिका एवं सहायक श्रव्य दृश्य शिक्षण सामग्री के विकास में जुटा है ।

वर्ष 83 में प्रकोष्ठ द्वारा निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किये गये जो उसके उद्देश्यों के परिचायक हैं :-

1- प्रशिक्षण संदर्शिका निर्माण कार्यशाला ।

2- संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण ।

3- अनौपचारिक शिक्षा पाठ्यक्रम में " जनसंख्या शिक्षा " संबंधी विषय वस्तु की समाविष्ठ हेतु कार्यशाला ।

4- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तरीय पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा संबंधी विषय वस्तु की समाविष्ठ हेतु कार्यशाला ।

उपरोक्त कार्यक्रमों के अलावा ३०प्रा०वि० अध्यापकों के प्रशिक्षण के क्रम में राज्य में 116 प्रशिक्षण शिविरों में लगभग 5900 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया ।

परिशिष्ठ - 1

संस्थान के प्रकाशनों की सूची (83-84)

1- प्राथमिक शिक्षक संदर्शिका ।
2- आशुरचित उपकरण संदर्शिका ।
3- अनुसंधान प्रायोजना पुस्तिका ।
4- मूल्यांकन संदर्शिका ।
5- छात्र वृत्ति संदर्शिका ।
6- आदर्श प्रश्न पत्र (शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों के द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों अध्यापकों एवं परीक्षकों के लिए)
7- समान परीक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत प्रश्न पत्रों में अंकभार निर्धारण ।
8- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रश्नकोष संदर्शिका (पांडुलिपि)
9- संस्थान समाचार
10- कार्यक्रम परिचय (हिन्दी व अंग्रेजी)
11- संस्थान के कार्यक्रमों के बारे में फोल्डर (हिन्दी व अंग्रेजी)
12- बालिका शिक्षा में पिछड़ापन सर्वेक्षण अध्ययन (चक्रांकित)
13- राजस्थान में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम - एक दृष्टि में ।
14- अनौपचारिक शिक्षा प्रगति संबंधी फोल्डर
15- अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक प्रशिक्षण मंजूषा (चक्रांकित)
16- अनौपचारिक शिक्षा उ0प्रा0स्तरोन्मुख पाठ्यक्रम (चक्रांकित)
17- राजस्थान में अप्रशिक्षित अध्यापकों का सर्वेक्षण (चक्रांकित)
18- राजस्थान में जिला शिक्षा अधिकारियों की सेवानिवृत्ति पदोन्नति एवं स्थानान्तरण की आवृत्ति - एक अध्ययन (चक्रांकित)
19- प्रधानाध्यापक वाक्पीठ कार्य निष्पादन - एक समीक्षा
20- प्रधानाध्यापक माध्यमिक विद्यालय अभिस्थापन कार्यक्रम - समेकित प्रतिवेदन

21- अनुसूचित जनजाति में शिक्षा (81-82) - सर्वेक्षण अध्ययन

22- अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता - एक अध्ययन

23- पोषाण स्वास्थ्य शिक्षा एवं पर्यावरणीय स्वच्छता - यूनीसेफ सहायता प्राप्त प्रायोजना के अन्तर्गत पाठ्यक्रम , एवं कक्षा 3 से 5 तक की पठन सामग्री ।

24- प्राथमिक शिक्षा - शिक्षा क्रम नवीनीकरण प्रायोजना के अन्तर्गत नवीन शिक्षा क्रम , तथा अध्यापन - अधिगम सामग्री

25- सामुदायिक शिक्षा एवं सहयोग की विकासात्मक प्रवृत्तियाँ - प्रायोजना के अन्तर्गत विभिन्न आयुवर्ग के लिए पठन सामग्री ।

26- पूर्व प्राथमिक शिक्षा - प्रायोजना के अन्तर्गत शिक्षक संदर्शिका एवं निम्नांकित बाल साहित्य -

" आओ गीत गाएँ , आओ कहानी कहें , आओ बात करें , आओ कुछ करें, कितना अच्छा है चन्दू , मेरा परिवार, नन्हे शिकारी, तथा दिन से रात।

27- प्राथमिक शिक्षा में व्यापक उपागम (कैम) प्रायोजना के अन्तर्गत निम्नांकित तीन मॉड्यूल्स (21 कैप्सूल)

घर की सफाई, बच्चों के सामान्य रोग तथा भूमि की उपजाऊ कैसे बनायें

28- जनसंख्या शिक्षा - प्रायोजना के अन्तर्गत पाठ्यक्रम , एवं पाठ्यक्रम आधारित पाठ ।

—o—

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

स्वीकृत बजट आयोजना/आयोजना भिन्न 1983-84

क्र॰ सं॰	विवरण	आयोजना	आयोजना भिन्न
1)	नियमित बजट		51,49,000
2)	ग्रीष्मकालीन शिविर		2,59,080
3)	राष्ट्रीय प्रतिभाखोज छात्रवृति		1, 00,000
4)	ग्रामीण प्रतिभाखोज छात्रवृति		30,000
5)	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान	5,22,000 48,500	
6)	सेवारत प्रशिक्षण शिविर	14,87,000	
7)	अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम	15,30,000	
8)	विकलांग हेतु एकीकृत शिक्षा योजना	11,98,000 59,000	
9)	जनसंख्या शिक्षा योजना	1,13,600	
	योग :	49,58,100	55,38,080

परिशिष्ट- 3

आवंटित पद

क्र0सं0	पद	योग
1-	निदेशक	1
2-	संयुक्त निदेशक	3
3-	उपनिदेशक (वरिष्ठ)	5
4-	उप निदेशक (कनिष्ठ)	1
5-	प्राचार्य (वरिष्ठ व्याख्याता)	7
6-	अनुसंधान अधिकारी । व्याख्याता । परामर्शद । रजिस्ट्रार	23
7-	सहायक निदेशक (प्रधानाध्यापक माध्वि0	13
8-	सांख्यिकी अधिकारी	1
9-	सहायक लेखा अधिकारी	1
10-	पुस्तकालयाध्यक्ष (प्रथम श्रेणी)	3
11-	अनुसंधान सहायक । कनिष्ठ व्याख्याता	39
12-	लेखाकार	2
13-	आशुलिपिक (प्रथम व द्वितीय श्रेणी)	10
14-	कार्यालय अधीक्षक	1
15-	कार्यालय सहायक । कनिष्ठ लेखाकार	8
16-	अनुसंधान सहायक । द्वितीय श्रेणी)	9
17-	वरिष्ठ लिपिक	7
18-	संगणक	6
19-	कनिष्ठ लिपिक	32
20-	वाहन चालक	9
21-	तकनीकी स्टाफ	30
22-	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	40

परिशिष्ट - 4

शैक्षिक अधिकारियों की सूची

श्री भंवर लाल शर्मा

निदेशक

" मानविकी एवं समाज विज्ञान " - प्रभाग - 1

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	(रिक्त	संयुक्त निदेशक
2-	श्रीमती मुन्ना देवी	उप संचालक (कनिष्ठ)
3-	श्री राधा मोहन पुरोहित	अनुसंधान अधिकारी
4-	श्री मोहम्मद हुसैन	अनुसंधान अधिकारी
5-	श्री शशि शेखर व्यास	सहायक निदेशक
6-	श्री पन्ना लाल जोशी	सहायक निदेशक
7-	श्रीमती शकुंतला पंड्या	सहायक निदेशक
8-	श्रीमती लीलावती काबरा	सहायक निदेशक
9-	श्रीमती जकिया चिश्ती	सहायक निदेशक
10-	श्री ज्ञान प्रकाश अनन्त	सहायक निदेशक
11-	श्री हरिसिंह चौहान	समन्वयक
12-	सुश्री आशा जैन	अन्वेषण सहायक
13-	श्री बशीर अहमद परवेज	अन्वेषण सहायक
14-	श्रीमती भुवनेश्वरी भटनागर	अनुसंधान सहायक
15-	सुश्री आशा माथुर	अनुसंधान सहायक
16-	श्री जगदीश दत्त शर्मा	अनुसंधान सहायक
17-	श्री कृष्ण राज तिवारी	अनुसंधान सहायक
18-	श्री घनश्याम राज जोशी	अनुसंधान सहायक

19- श्री कमरुद्दीन चिश्ती	अनुसंधान सहायक
20- श्री बलवीर चन्द्र कौशिक	अनुसंधान सहायक
21- श्रीमती सरोज भटनागर	अनुसंधान सहायक
22- श्री नरेन्द्र शर्मा	अनुसंधान सहायक

"" विज्ञान एवं गणित "" - प्रभाग - 2

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	(रिक्त)	संयुक्त निदेशक
2-	(रिक्त)	उप संचालक
3-	श्री शरद चन्द्र पुरोहित	व० व्याख्याता
4-	श्री राधेश्याम उपाध्याय	अनुसंधान अधिकारी
5-	श्री हरिश्चन्द्र शर्मा	परामर्शद
6-	श्री वीरेन्द्र कुमार सक्सेना	प्राविधिक व्याख्याता
7-	श्री शांति लाल जैन	प्राविधिक व्याख्याता
8-	श्री वासुदेव दवे	व्याख्याता
9-	श्री जुगल किशोर बागोरा	अन्वेषण सहायक
10-	श्री अहमद जफर	अन्वेषण सहायक
11-	श्री सैयद शाह नवाज	अन्वेषण सहायक
12-	श्री पूरन मल जैन	प्राविधि विज्ञ
13-	श्री बसन्त कश्यप	अनुसंधान सहायक (प्रथम)
14-	श्री शांति लाल शाकद्वीपी	अनुसंधान सहायक (प्रथम)
15-	श्री संत कुमार	अनुसंधान सहायक (द्वितीय
16-	श्री बसन्त कुमार जैन	अनुसंधान सहायक (द्वितीय

"" मनोवैज्ञानिक आधार "" - प्रभाग - 3

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	(रिक्त)	उप संचालक
2-	श्री कुंज बिहारी शर्मा	मूल्यांकन अधिकारी
3-	श्री लक्ष्मी नारायण जोशी	व्याख्याता
4-	श्री पी०डी० हस्तक	मनोवैज्ञानिक
5-	श्रीमती रचना श्रीमाली	सहायक निदेशक
6-	श्रीमती कमला अग्रवाल	सहायक निदेशक
7-	श्री रणजीत सिंह भंडारी	शाला परामर्शद
8-	श्री शिव किशोर सनाढ्य	अनुसंधान सहायक
9-	श्री वासुदेव शर्मा	अनुसंधान सहायक
10-	श्री होमी कावस	समन्वयक

"" शिक्षक प्रशिक्षण एवं पत्राचार "" - प्रभाग - 4

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	(रिक्त)	उप संचालक
2-	श्रीमती प्रकाश कौर	अनुसंधान अधिकारी
3-	श्री मोहन सिंह चौहान	परामर्शद
4-	श्री दाऊ लाल व्यास	अनुसंधान सहायक
5-	श्री रतन सिंह दोषी	अनुसंधान सहायक

"" शैक्षिक प्रशासन , परिवीक्षण एवं आयोजना ""- प्रभाग - 5

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	श्री लाल चन्द डोसी	उप संचालक
2-	श्री भोपाल सिंह रावडिया	व० व्याख्याता
3-	श्री कुबेर दत्त त्रिवेदी	अनुसंधान अधिकारी

4-	श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी	अनुसंधान अधिकारी
5-	डॉ० विद्या सागर शर्मा	व्याख्याता
6-	श्री सुरेश चन्द्र शर्मा	अनुसंधान अधिकारी
7-	श्री हरीश चन्द्र दक	सहायक निदेशक
8-	श्री रमेश चन्द्र शर्मा	सांख्यिकी अधिकारी
9-	श्रीमती सरोज भू	अनुसंधान सहायक
10-	श्री शंकर मालवीय	अनुसंधान सहायक
11-	श्री हर्ष लाल नन्दवाना	अनुसंधान सहायक
12-	श्रीमती रजनी गुप्ता	अनुसंधान सहायक
13-	श्री राजेन्द्र सिंह चौहान	संगणक
14-	श्री सुधीर कुमार	संगणक

"शैक्षिक प्रौद्योगिकी" - प्रभाग - 6

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	श्री मन मोहन अग्रवाल	निदेशक
2-	श्री जे०एन० बहुखंडी	व्याख्याता
3-	शारदा प्रसाद मेहरा	सहायक निदेशक (श्रव्य,दृश्य)
4-	बकुल अहद	सुपरवाईजर (श्रव्य, दृश्य)
5-	एस० पी० माथुर	प्रोग्रामर

"भाषा विज्ञान" - प्रभाग - 7

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	श्री ब्रज भूषण सक्सैना	व०व्याख्याता
2-	श्री हरि सिंह मेहता	अनुसंधान अधिकारी
3-	श्री अशोक माथुर	अनुसंधान अधिकारी

" अनौपचारिक शिक्षा " - प्रभाग - 8

क्र०सं०	नाम अधिकारी	पद
1-	श्री जगदीश नारायण पुरोहित	उप संचालक
2-	श्री लहरी लाल कोठारी	अनुसंधान अधिकारी
3-	श्रीमती साधना गुप्ता	अनुसंधान अधिकारी
4-	श्री परमानन्द आचार्य	परामर्शद
5-	श्री उपेन्द्र नाथ घेई	अनुसंधान अधिकारी
6-	डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर	सहायक निदेशक
7-	श्रीमती राज कुमारी भटनागर	परामर्शद
8-	श्रीमती रेणु [illegible]	अनुसंधान सहायक
9-	श्री बाल मुकुन्द सनाढ्य	अनुसंधान सहायक

NIEPA DC
D01465

Sub. Na[illegible]l Systems Unit,
National Institute of Educational
Plann[illegible] Aministration
17-B,S.[illegible]do Marg, New Delhi-110016
DOC. No. 14 65
Date.... 31.5.84